सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-168 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 07 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2

सु-विचार

"अपनी इच्छाओं को जी लेना चाहिए, वर्ना जीवन में सिर्फ अफसोस रह जाता है...!!"

अज्ञात...

26 करोड़ के ओवरब्रिज पहली बारिश में बैठे! ,बरगा-आलीवारा-मुसरा में दरारें, सड़क धंसी

कलेक्टर ने रेलवे से मांगी उच्च स्तरीय जांच, कांग्रेस ने एफआईआर की मांग की, 'भ्रष्टाचार के पुल' बनकर रह गए अमृत भारत के प्रोजेक्ट

आलोक तिवारी / राजनांदगांव

विशेष खबर

राजनांदगांव को जाम से राहत देने के लिए करोड़ों खर्च कर बनाए गए रेलवे ओवरब्रिज पहली ही बारिश में सवालों के घेरे में आ गए। बरगा, आलीवारा और मुसरा में नए बने ओवरब्रिजों में चौड़ी दरारें पड़ गई हैं और सड़क 7 फीट तक धंस गई है। 26 करोड़ की लागत वाले 'लाइफलाइन' कहे जाने वाले ये पुल जनता की सुरक्षा के लिए खतरा बन गए हैं।

शनिवार रात हुई तेज बारिश के बाद रविवार को दोनों ब्रिजों की तस्वीरें सामने आते ही हड़कंप मच गया। सबसे बदतर हालत आलीवारा ओवरब्रिज की है। करीब 1 महीने पहले ही शुरू हुए इस ब्रिज पर कई जगह बड़ी दरारें और सड़क धंसने की स्थिति बन गई है। बरगा ओवरब्रिज, जिसे 2 महीने पहले खोला गया था, वहां भी 10 से 15 फीट डामर उखड़ गया है।

कलेक्टर ने रेलवे को लिखा पत्र, जांच के आदेश

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने मीडिया में प्रकाशित खबरों को गंभीरता से लेते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि प्रकाशित शिकायत के संबंध में उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जांच प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

रेलवे हरकत में, ग्रामीणों ने किया विरोध

खबर सामने आने के बाद बिलासपुर डिवीजन के प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर, डीआरएम दीपक गुप्ता सहित रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीनियर सेक्शन इंजीनियर एके मौर्य ने मरम्मत की बात कही, लेकिन ग्रामीणों ने इसका विरोध कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि मरम्मत नहीं, नए सिरे से निर्माण हो। आक्रोश को देखते हुए रात में पुलिस बल की तैनाती भी करनी पड़ी।

यह पहला मामला नहीं

स्थानीय लोग बता रहे हैं कि यह पहला केस नहीं है। इससे पहले मनगटा-मुढ़ीपार ओवरब्रिज में भी निर्माण के कुछ समय बाद दरारें आई थीं। उस समय भी आनन-फानन में मरम्मत कर मामला दबाया गया था। विधानसभा में विधायक हर्षिता स्वामी बघेल ने भी मुद्दा उठाकर रेलवे अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की थी।

अब एक साल के भीतर 3 ब्रिजों में खामियां सामने आने से रेलवे की निर्माण व्यवस्था और गुणवत्ता नियंत्रण पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं।

सवाल: सेटलमेंट या भ्रष्टाचार?

रेलवे इसे 'सामान्य सेटलमेंट' बता रहा है, लेकिन जनता मानने को तैयार नहीं है। लोगों का कहना है कि करोड़ों की सार्वजनिक राशि खर्च होने के बाद भी पुल पहली बारिश नहीं झेल पा रहे। अमृत भारत मिशन के तहत जिले में 10 से ज्यादा ओवरब्रिज-अंडरब्रिज बनने हैं, लेकिन मौजूदा हालात से 'भ्रष्टाचार के पुल' बनने का अंदेशा बढ़ गया है।

अब सबकी नजर रेलवे की जांच रिपोर्ट और उस पर होने वाली कार्रवाई पर है।

राजनीतिक घमासान

- सांसद संतोष पांडेय ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच मांगी है। उन्होंने कहा कि डीआरएम से चर्चा कर दोषी अधिकारी और कॉन्ट्रैक्टर पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जन सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने को भी कहा गया है।

- शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जून में लोकार्पित 26 करोड़ के पुल ने पहली बारिश में दम तोड़ दिया। मुदलियार ने डीआरएम के सामने दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने और जरूरत पड़ने पर पुनर्निर्माण की मांग की।

बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज ने लड़ने का किया एलान

प्रशांत किशोर बोले- "बिहार को रिमोट से नहीं चलने देंगे" पार्टी नेताओं के मनाने पर चुनावी मैदान में उतरने को हुए तैयार

विशेष संवाददाता / पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ने का एलान किया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रशांत किशोर निजी तौर पर विधायक या सांसद बनने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन बिहार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सामूहिक प्रयास के तहत उन्होंने यह निर्णय लिया।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि प्रशांत किशोर का मानना था कि अकेले एक विधायक बनकर व्यवस्था में बड़ा बदलाव नहीं लाया जा सकता। इसलिए वे बांकीपुर उपचुनाव के पक्ष में नहीं थे। हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं ने उन्हें समझाया कि यह चुनाव केवल एक सीट का नहीं है, बल्कि केंद्र में बैठी सरकारों को संदेश देने के लिए जरूरी है।

नेताओं ने तर्क दिया कि "दिल्ली में बैठे लोगों को यह बताना जरूरी है कि वे रिमोट से बिहार को नहीं चला सकते। बिहार को एनकाउंटर और बुल्डोजर का राज्य नहीं बनाया जा सकता। बिहार की मिट्टी में सत्य और न्याय की तासीर है और इसके साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।" इसी के बाद प्रशांत किशोर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हुए।

प्रशांत किशोर ने एलान किया कि भले ही बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बांकीपुर में भाजपा को वॉकओवर देने को तैयार हों, लेकिन जन सुराज ऐसा नहीं करेगी। इसके बाद बांकीपुर से चुनाव लड़ने की औपचारिक घोषणा की गई।

पार्टी नेताओं ने कहा कि बांकीपुर और पटना की जनता की जिम्मेदारी है कि वे इस चुनाव में जन सुराज का साथ दें। "बांकीपुर में पटखनी देकर सरकार तो नहीं गिराई और बनाई जा सकती, लेकिन राज्य और केंद्र दोनों जगह की सरकारों के ऊपर नकेल जरूर कसा जा सकता है।"

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बांकीपुर उपचुनाव को जन सुराज प्रतिष्ठा का विषय बना रही है और इसे बिहार की राजनीति में एक बड़े संदेश के रूप में पेश करने की तैयारी है।

पुलिस की एक पहल : थाना गुढ़ियारी में शुरू हुई "ई-मालखाना" प्रणाली

जप्त माल के प्रबंधन में अब तकनीक और पारदर्शिता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी नॉर्थ जोन अंतर्गत थाना गुढ़ियारी में जप्त माल के सुव्यवस्थित संधारण और पारदर्शी प्रबंधन के लिए रविवार को "ई-मालखाना" प्रणाली का शुभारंभ किया गया। इस नवाचार प्रणाली का उद्घाटन पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले ने किया। यह प्रणाली थाना प्रभारी और मालखाना स्टाफ के संयुक्त प्रयासों से विकसित की गई है।

क्या है ई-मालखाना

शुभारंभ अवसर पर ई-मालखाना की कार्यप्रणाली का डेमो भी प्रस्तुत किया गया। इसमें जप्त सामग्रियों का डिजिटल पंजीयन, बारकोड आधारित पहचान, रैकवाइज संधारण और रिकॉर्ड ट्रैकिंग सिस्टम की जानकारी दी गई। डेमो के दौरान डीसीपी नॉर्थ मयंक गुर्जर, डीसीपी वेस्ट संदीप पटेल, एडिशनल डीसीपी आकाश मरकाम और सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कैसे होगी पारदर्शिता

प्रणाली लागू करने से पहले थाना गुढ़ियारी में रखे सभी जप्त माल का भौतिक सत्यापन कराया गया। इसके बाद मालखाने को रैकवाइज वैज्ञानिक तरीके से अ1, अ2, इ1, इ2 जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया। प्रत्येक सामग्री पर बारकोड लगाया गया और सॉफ्टवेयर पर डिजिटल एंट्री की गई।

अब जप्त वस्तुओं को जमा करना, निर्गत करना और खोजना पहले की तुलना में तेज और व्यवस्थित हो जाएगा। इस सिस्टम से जप्त माल की आवक-जावक, हैंडलिंग और रिकॉर्ड की डिजिटल ट्रैकिंग संभव होगी। इससे "चेन ऑफ कस्टडी" मजबूत होगी और हर सामान की लोकेशन व मूवमेंट पर निगरानी रखी जा सकेगी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस पहल से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ेगी। क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में तकनीक के उपयोग की दिशा में थाना गुढ़ियारी का यह प्रयास अनुकरणीय है।

छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की चेतावनी : रायपुर। छत्तीसगढ़ में आषाढ़ लगने के बाद झमाझम बारिश का सिलसिला जारी है। नदी-नाले उफान पर हैं। बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में बारिश हुई है। फिलहाल मानसून की स्थिति सामान्य बनी हुई है। 7 जुलाई को झारखण्ड और ओडिशा के पास बने अवदाब के कारण मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं 8 जुलाई के बाद पूरे प्रदेश में बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है। मौसम विभाग ने जानकारी दी कि सोमवार को प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मध्यम से भारी वर्षा हुई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पहले दिन 15 सेंटीमीटर वर्षा के बाद दूसरे दिन रायपुर में 8 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वहीं बलौदा बाजार में 20 सेंटीमीटर, राजिम में 18, लवन में 17, गिधौरी टुंड्रा, भाटापारा में 16-16, बलौदा, गोबरा नवापारा, बिलाईगढ़ में 15-15, राजनांदगांव, भटगांव, अकलतरा, पौड़ी उपरोड़ा, तिल्दा, चंद्रपुर, खरोरा में 14-14, पिथौरा, रायगढ़, सिमगा में 13-13, तमनार, सोनाखान, मगरलोड, मस्तूरी, भैसमा, बोदरी, पथरिया में 12 12, डभरा, मरीं बंगला देवरी, मंदिरहसौद, सीपत, बिल्हा, तखतपुर, पाली, बम्हनीडीह, बरमकेला, सरसीवा, धारासींव, शिवरीनारायण, सरायपाली, कसडोल, नवागढ़, लोरमी में 10-10, थानखमरिया, पुसौर, सरिया, दर्री, बसना, जांजगीर, डोंगरगढ़, मालखरौदा, पिपरिया, भोथिया, मैनपुर, खैरागढ़ में 9-9सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

गरीबों की आवास राशि गबन प्रकरण

कियोस्क संचालक के खिलाफ 3000 पेज का अभियोग पत्र पेश

इंदिरा आवास की 79 लाख रुपये की राशि हड़पने का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-कोरबा

गरीबों की इंदिरा आवास योजना की राशि गबन करने के मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो एवं एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ा खुलासा किया है। कोरबा के बैंक ऑफ इंडिया कियोस्क संचालक गौरव शुक्ला के विरुद्ध आज माननीय विशेष न्यायाधीश, न्यायालय कोरबा में लगभग 3000 पेज का अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। आरोपी गौरव शुक्ला, निवासी नंदबाग रूमगरा, कोरबा पर भारतीय दंड विधान की धारा 420, 421, 409, 120(बी) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(सी), 13(1)(ए) के तहत प्रकरण दर्ज है। अपराध क्रमांक 20/2018 है।

ऐसे किया गबन

विवेचना में सामने आया कि आरोपी बैंक ऑफ इंडिया, शाखा कोरबा में कियोस्क संचालक था। उसने इंदिरा आवास योजना के हितग्राहियों के निष्क्रिय खातों को बैंक कर्मियों की स्टाफ आईडी का दुरुपयोग कर सक्रिय कराया। इसके बाद हितग्राहियों के आधार कार्ड को अपने, अपने पिता, माता, पत्नी और पुत्र के आधार नंबरों से सीड कर दिया। AEPS के माध्यम से आरोपी अपने बायोमेट्रिक से प्रमाणीकरण कर हितग्राहियों की राशि सीधे अपने खातों में ट्रांसफर करता रहा।

वर्ष 2017 में बैंक के Finacle सॉफ्टवेयर की खामियों का फायदा उठाते हुए आरोपी ने बिना आधार लिंकिंग सत्यापन के ट्रांजेक्शन और ऑटो लॉगआउट न होने की कमी का इस्तेमाल किया। इसी दौरान 09 स्टाफ यूजर आईडी के जरिए 426 खातों में 620 प्रविष्टियां की गईं। अधिकांश प्रविष्टियां बिना भौतिक आधार सत्यापन के की गई थीं।

79 लाख का गबन

जांच में पाया गया कि वर्ष 2010-11 में कोरबा जिले के विभिन्न ग्रामों के लिए इंदिरा आवास योजना के तहत आई किश्त की राशि को वर्ष 2017 में आरोपी ने अपने खाते में स्थानांतरित कर लिया। कोरबा के दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों के भोले-भाले हितग्राहियों के भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने उनके हक के 79 लाख रुपये का गबन किया।

ईओडब्ल्यू/एसीबी ने साक्ष्य-सबूतों के आधार पर विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, कोरबा में अभियोग पत्र पेश कर दिया है।

पहल | आर्य नगर कोहका में शुरू हुआ "बहुउद्देशीय प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार केंद्र", माताओं-बहनों को नि :शुल्क प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की पहल

स्व. बीरा सिंह की 69वीं जयंती पर समाज को मिली सौगात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह "छोटू" के पूज्य पिताजी स्व. बीरा सिंह की 69वीं जयंती के पावन अवसर पर रविवार को आर्य नगर कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति के कार्यालय में "बहुउद्देशीय प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार केंद्र" का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन माताजी श्रीमती कुलवंत कौर के कर-कमलों से हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उद्देश्य - आत्मनिर्भर बनें माताएं-बहनें

इस केंद्र के माध्यम से क्षेत्र की माताओं एवं बहनों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जाएगा। यहां सिलाई-कढ़ाई, दोना-पत्तल निर्माण, झाड़ू निर्माण, रुई बाती दीया निर्माण एवं अगरबत्ती निर्माण सहित विभिन्न स्वरोजगार आधारित प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। आयोजकों का कहना है कि प्रशिक्षण के बाद महिलाएं अपने कौशल को विकसित कर घर बैठे रोजगार शुरू कर सकेंगी और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी।

सेवा और समर्पण की प्रेरणा

सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि स्व. बीरा सिंह का पूरा जीवन सेवा, समर्पण और समाज कल्याण के मूल्यों से प्रेरित रहा। उनके आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए यह पहल समाज के अंतिम व्यक्ति तक आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक आजीविका के अवसर पहुंचाने का एक विनम्र प्रयास है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही समाज और राष्ट्र मजबूत बनता है। यह केंद्र इसी दिशा में उठाया गया कदम है। कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वरोजगार के माध्यम से महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारेंगी, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनेंगी। समारोह का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

दुर्ग में 5 एकड़ में बनेगी 1200 आम के पौधों की 'आम्रवाटिका' सांसद विजय बघेल ने किया शुभारंभ

विद्यार्थियों को सौंपा संरक्षण का दायित्व, वृक्षारोपण तभी सार्थक है जब हर पौधे को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखा जाए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने के लिए संस्था आर्टकॉम के 'हर आँगन एक पेड़' अभियान के तहत श्री महावीर प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालय, नगपुरा परिसर में 5 एकड़ क्षेत्र में 1200 आम के पौधों की 'आम्रवाटिका' विकसित करने की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दुर्ग सांसद विजय बघेल ने किया। कार्यक्रम महाविद्यालय के संचालक रमेश कुमार श्रीवास्तव, कुमुद श्रीवास्तव एवं डायरेक्टर प्राची श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के लगभग 300 विद्यार्थियों और 200 से अधिक नागरिकों ने भाग लिया। लगातार बारिश के कारण सभी 1200 पौधों का रोपण एक दिन में संभव नहीं हो सका।

सांसद विजय बघेल ने विद्यार्थियों से पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक है जब हर पौधे को वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने श्रीवास्तव परिवार द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा, भारतीय संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

बघेल ने कहा कि "हर आँगन एक पेड़, हर आँगन वाटर हार्वेस्टिंग" अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। 1200 आम के पौधों की यह आम्रवाटिका पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय मॉडल बनेगी। उन्होंने अन्य स्थानों पर भी इसी तरह फलदार वृक्षों की वाटिकाएं विकसित करने की बात कही।

आर्टकॉम के डायरेक्टर निशु पाण्डेय ने कहा कि विपरीत मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति से स्पष्ट है कि समाज पर्यावरण के प्रति गंभीर है। तीन साल बाद यही पौधे सघन आम्रवाटिका का रूप लेंगे और क्षेत्र की पहचान बनेंगे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के संचालक डॉ. रमेश श्रीवास्तव ने अतिथियों का आभार जताया। आर्टकॉम के संरक्षक करमजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रमोद शर्मा, उमेश चौबे, राकेश सिंह, राम जसपाल, टी.बी.एस. सहगल, सुरेश गुरुजी, आनंद पाण्डेय, डॉ. संजय अनुपम सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

बारिश के बीच छतरी लेकर दुर्ग शहर के सड़कों पर पैदल निकले महापौर, कलेक्टर और आयुक्त

नागरिकों से नालियों में कचरा न डालने की अपील, जल निकासी व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार, कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल स्वयं छाता लेकर शहर की सड़कों पर उतरे और निगम अमले के साथ विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। वार्ड क्रमांक 38, 39, 57 एवं 58 सहित जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों का दौरा कर मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए तथा जहां-जहां पानी की निकासी में अवरोध मिला, उसे तत्काल हटाने की कार्रवाई कराई। इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, नीलेश अग्रवाल, पार्षद रामचंद्र सेन, रेशमा सोनकर, सरस निर्मलकर, रंजीता पाटिल सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहें।

निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम बारिश के मौसम में पूरी तरह सतर्क है तथा नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार फील्ड में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि घरों एवं आसपास पानी का जमाव न होने दें तथा प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन, झिल्ली एवं अन्य कचरा नालियों में न फेंककर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन को ही दें, जिससे जल निकासी बाधित न हो और जलजनित बीमारियों से बचाव किया जा सके।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए तथा किसी भी सूचना पर तत्काल राहत कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और सुविधा सवीच्च प्राथमिकता है तथा बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 39 स्थित तालाब किनारे किए गए निर्माण कार्यों का संज्ञान लेते हुए संबंधित लोगों को नोटिस जारी करने, दस्तावेजों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब किनारे भवन निर्माण का मलबा डालने वालों पर जुर्माना लगाने, मलबा हटाने तथा तालाब की सफाई कर जल निकासी सुचारु करने के निर्देश दिए, ताकि वार्ड क्रमांक 38 महावीर कॉलोनी एवं बैद्यनाथ पारा क्षेत्र में सड़कों पर पानी भरने की समस्या न हो।

जलभराव वाले क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश, तालाब किनारे अतिक्रमण व मलबा हटाने के आदेश

इसके पश्चात महापौर, कलेक्टर एवं आयुक्त ने जनप्रतिनिधियों के साथ वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 के नहर-नाला रोड, श्रीराम चौक तथा बीड़ी कॉलोनी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया।अधिकारियों ने देखा कि पिछले तीन दिनों से लगातार चल रहे नाला सफाई, मरम्मत एवं जल निकासी सुधार कार्यों का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है तथा भारी बारिश के बावजूद कई स्थानों पर पहले की तुलना में जलभराव की स्थिति में कमी आई है। अधिकारियों ने निगम अमले को निर्देशित किया कि वर्षाकाल के दौरान नियमित रूप से नालों की सफाई, निगरानी एवं जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने के साथ ही बारिश के दौरान तत्काल कार्रवाई की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। नगर निगम ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि स्वच्छता बनाए रखें, नालियों में कचरा न डालें तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारु रखने में प्रशासन का सहयोग करें, ताकि बारिश के मौसम में शहरवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

भिलाई में जुटेंगे प्रदेश भर के उर्दू-हिंदी के साहित्यकार

आईना ए अदब की बैठक में आयोजन की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

भिलाई। आईना ए अदब उर्दू-हिंदी संगम तंजीम भिलाई-दुर्ग की ओर से 11 जुलाई को एक शाम मरहूम शायरों के नाम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें समूचे छत्तीसगढ़ से हिंदी-उर्दू साहित्य से जुड़े प्रमुख लोगों की मौजूदगी रहेगी। आयोजन की तैयारी के लिए एक बैठक का आयोजन इंडियन कॉफी हाउस सुपेला रखी गई। जिसमें आमंत्रितों की सूची को अंतिम रूप दिया गया और आयोजन से जुड़ी जवाबदारियां बांटी गई। बैठक में आईना ए अदब के सरपरस्त एडवोहकेट शकील अहमद सिद्दीकी, सदर हाजी रियाज खान गौहर, महासचिव नौशाद अहमद सिद्दीकी, संयोजक शौकत इक़बाल और सचिव जाविद हसन भाईजान और सहित अन्य लोग मोजूद थे।

दुर्ग पुलिस की सड़क सुरक्षा मुहिम सफल

लगातार 6 माह से दुर्घटनाओं में मौतों में गिरावट, 61 लोगों की जान बची, 2025 की तुलना में 2026 में 30% कम हुई मौतें

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

यातायात पुलिस दुर्ग के सतत प्रयासों से जिले में सड़क दुर्घटनाओं और उसमें होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इस दौरान 61 लोगों की जान बचाई जा सकी है। यातायात पुलिस के अनुसार लगातार छठे माह सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु के आंकड़ों में गिरावट बनी हुई है। केवल जून 2025 की तुलना में जून 2026 में 12 कम मौतें दर्ज की गई हैं।

इन उपायों से आया बदलाव : उप महानिरीक्षक / वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा पिछले पांच माह से प्रतिदिन सुबह 6 बजे जिले के चिन्हित स्थानों पर फिक्स वाहन चेकिंग पॉइंट लगाए जा रहे हैं। यहां वाहन चालकों को यातायात नियमों के संबंध में समझाइश दी जा रही है।

शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में ब्लैक एवं ग्रे स्पॉट चिन्हित कर आवश्यक सुधार कार्य, विशेष निगरानी और सघन प्रवर्तन अभियान चलाए जा रहे हैं। नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ प्रतिदिन रात में ब्रेथ एनालाइजर से विशेष चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। ओवरस्पीड, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने, नो-पार्किंग और अन्य यातायात नियम उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमित सख्त कार्रवाई की जा रही है। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है।

जनजागरूकता पर जोर : पिछले छह माह में 404 जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 1 लाख 19 हजार 469 नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाया गया।

नागरिकों से अपील : यातायात पुलिस दुर्ग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। नशे की हालत में वाहन न चलाएं और स्वयं सुरक्षित रहते हुए अन्य नागरिकों की सुरक्षा में भी सहयोग करें।

खास खबर

भाजपा जिला भिलाई की कोर कमेटी की बैठक में संगठन को सशक्त बनाने और आगामी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई की कोर कमेटी की बैठक शनिवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों और कायर्योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी सार्थक चर्चा हुई। वक्ताओं ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनसेवा के संकल्प को धरातल पर प्रभावी रूप से उतारने पर जोर दिया।

इस अवसर पर दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, जिला प्रभारी रामजी भारती, सांसद विजय बघेल, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, विधायक रिकेश सेन, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं कवर्धा प्रभारी महेश वर्मा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे उपस्थित रहे। बैठक में तय किया गया कि पार्टी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे।

निधन — श्रीमती चंपा देवी चौहान

भिलाई। नगर निगम भिलाई चरोदा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 हथखोज निवासी श्रीमती चंपा देवी चौहान (80 वर्ष) का बीते दिन इलाज के दौरान निधन हो गया। रायपुर स्थित बालाजी अस्पताल में इलाज चल रहा था वे अस्वस्थ चल रही थी। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई है. वह वरिष्ठ पत्रकार खिलावन सिंह चौहान की बड़ी मां थी। आज उनका अंतिम संस्कार छावनी स्थित मुक्तिधाम में किया गया।

रोटेरियन अनंत अग्रवाल ने संभाला अध्यक्ष पद, समाजहित के लैंडमार्क प्रोजेक्ट्स का संकल्प

रोटरी क्लब ऑफ भिलाई ग्रेटर का 28वां पदस्थापना समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बोले- सेवा में नवाचार और उत्कृष्टता जरूरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रोटरी क्लब ऑफ भिलाई ग्रेटर का 28वां पदस्थापना समारोह शनिवार को गरिमामय एवं भव्य वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में 160 से अधिक रोटेरियन्स, उनके परिवारजन और समाज के गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण रहा। समारोह में रोटेरियन अनंत अग्रवाल ने क्लब के 28वें अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके साथ रोटेरियन अंशुल अग्रवाल ने सचिव और रोटेरियन जगदीप बेदी ने कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली।

समाजहित के लैंडमार्क प्रोजेक्ट्स का संकल्प : नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन अनंत अग्रवाल ने अपने संबोधन में आगामी रोटरी वर्ष के लिए अपनी दूरदर्शी कायर्योजना और विजन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष क्लब समाजहित में कई लैंडमार्क प्रोजेक्ट्स को क्रियान्वित करेगा। इन परियोजनाओं की विस्तृत रूपरेखा भी समारोह के दौरान सदस्यों के समक्ष रखी गई। उन्होंने टीम की एकजुटता और सेवा भाव के साथ काम करने का आह्वान किया।

समारोह के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आलम सिंह रूपरा ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि रोटरी का मूल उद्देश्य सेवा है। उन्होंने नई कार्यकारिणी को सेवा कार्यों में उत्कृष्टता, नवाचार और प्रभावी नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. शशांक रस्तोगी ने क्लब की अब तक की उपलब्धियों की सराहना की और नई टीम के उज्ज्वल एवं सफल कायर्काल की कामना की।

पूरा सभागार भव्य सजावट और रोटरी के झंडे के रंगों से सजा हुआ था। समारोह में नए सदस्यों का स्वागत, प्रेरणादायी संबोधन और रोटेरियन्स की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। पदस्थापना के दौरान तालियों की गड़गड़ाहट और सेवा के संकल्पों ने माहौल को ऊर्जावान बना दिया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि यह समारोह रोटरी क्लब ऑफ भिलाई ग्रेटर के लिए सेवा के नए अध्याय की शुरुआत है। नई टीम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामुदायिक विकास के क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम करेगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा और त्याग का अनुपम उदाहरण : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, शिक्षा, त्याग और अखंड भारत के संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। धारा 370 का हटना, अंत्योदय की भावना पर आधारित विकास तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने वाले अनेक निर्णय उनके विचारों को मूर्त रूप देने वाले ऐतिहासिक कदम हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए राज्य के सभी संभागीय एवं जिला मुख्यालयों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक दूरदर्शी राजनेता ही नहीं, बल्कि विलक्षण शिक्षाविद भी थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में विश्वविद्यालय के कुलपति बनने का गौरव प्राप्त करने वाले डॉ. मुखर्जी ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग मंत्री के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की उनकी प्रतिबद्धता ऐसी थी कि उन्होंने सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 'एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान' की व्यवस्था के विरुद्ध डॉ. मुखर्जी ने ऐतिहासिक संघर्ष किया और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। आज पूरा देश उनके त्याग और राष्ट्रनिष्ठा को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के गौरवशाली इतिहास और भूले-बिसरे स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। हर घर तिरंगा जैसे जनआंदोलन ने राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने भी नया रायपुर स्थित शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के 14 वीर स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में विशेष दीर्घा स्थापित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंत्योदय के विचारों को आधार बनाकर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी के अधिकांश संकल्प पूरे किए गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचाई जा रही हैं। 500 से अधिक गांवों तक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है, 700 से अधिक मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं तथा बस्तर अंचल में व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार अभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, शिक्षा, त्याग और समर्पण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल, कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल, प्रबुद्धजन, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि

प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण सभी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

खास खबर

रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो-राज्यपाल डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने भारत सेवाश्रम संघ द्वारा संचालित प्रणवानंद अकादमी में रोबोटिक्स लैबोरेट्री का लोकार्पण किया। इस लैबोरेट्री की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेच्छानुदान मद से राशि प्रदान की गई है । इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने संबोधन ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स जैसे तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाते है। लेकिन आधुनिक तकनीक तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग मानव जीवन के कल्याण और समाज के विकास के लिए किया जाए।

उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों से नहीं होती, बल्कि ऐसे विद्यार्थियों से होती है जो ज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दें। प्रणवानंद अकादमी शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण को भी समान महत्व देती है यह प्रसन्नता का विषय है। राज्यपाल ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स और अन्य आधुनिक तकनीकें विश्व को नई दिशा दे रही हैं। ऐसे समय में विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए। कोई भी नया आविष्कार या नवाचार मानवता के हित में होना चाहिए। मानव पर खुद का नियंत्रण होना चाहिए न कि कोई तकनीक उसे नियंत्रित करे।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों का संदेश देते हुए कहा कि जीवन में संतोष का विशेष महत्व है। हमें जो प्राप्त है, उसमें प्रसन्न रहना सीखना चाहिए तथा कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में उतार-चढ़ाव एवं चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन गिरने के बाद फिर से उठना और आगे बढ़ना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें क्या दिया, यह सोचने के बजाय हमें यह विचार करना चाहिए कि हम समाज को क्या दे सकते हैं। समाज के प्रति सेवा, सहयोग, संवेदनशीलता और पड़ोसियों के प्रति आत्मीयता की भावना हमारे जीवन में आनंद लाता है।

कार्यक्रम में अकादमी के अध्यक्ष स्वामी शिवरूपानंद ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा प्राचार्य श्रीमती नीति यदुवंशी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मानसून में भी पर्यटन का आनंद: बारनावापारा अभयारण्य 31 अक्टूबर तक बंद

रायपुर। वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए बारनावापारा वन्यजीव अभयारण्य 1 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 तक पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। हर वर्ष मानसून के दौरान वन्यजीवों के प्रजनन काल को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया जाता है। हालांकि, इस दौरान पर्यटकों को प्रकृति और संस्कृति से जोड़ने के लिए बलौदाबाजार वनमंडल ने "बारनावापाराझसिरपुर पर्यटन सर्किट : द सेक्रेड गारलैंड" की शुरुआत की है। इस पहल के माध्यम से राजधानी रायपुर के आसपास स्थित प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को एक पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस पर्यटन सर्किट में सिरपुर, धसकुंड जलप्रपात, तुरतुरिया ईको कल्चरल सेंटर, गिरौदपुरी धाम, सिद्धखोल जलप्रपात, सोनाखान, शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक, देवपुर नेचर कैंप, अचानकपुर का देव हिल्स ईको एथनिक स्टे, कोडार जलाशय सहित कई प्रमुख पर्यटन स्थल शामिल हैं। यहां पर्यटक हरियाली, झरनों, पहाड़ियों, वन क्षेत्र, धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक धरोहरों और जनजातीय संस्कृति का अनूठा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। मानसून के मौसम में पूरा क्षेत्र हरियाली से भर जाता है, जिससे इसकी प्राकृतिक सुंदरता और भी बढ़ जाती है। देवपुर नेचर कैंप, देव हिल्स ईको एथनिक स्टे, सिद्धखोल जलप्रपात, तुरतुरिया धाम, धामनी ईको विलेज, धसकुंड फॉल और सिरपुर इस मौसम के प्रमुख आकर्षण होंगे।

इस पर्यटन सर्किट को देशभर में पहचान दिलाने के लिए टूर ऑपरेटरों, ट्रैवल एजेंसियों, ट्रैवल इन्फ्लुएंसर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और नेचर फोटोग्राफर्स को भी जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य जिम्मेदार और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है।

वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने बताया कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार यह पहल प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय समुदायों को एक मंच पर लाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अभयारण्य बंद रहने के दौरान भी पर्यटक बारनावापाराझसिरपुर बफर क्षेत्रों के प्राकृतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों का आनंद ले सकेंगे। साथ ही स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाकर सतत पर्यटन और रोजगार सृजन को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ करेगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण-सीएम साय

103 करोड़ रुपये से अधिक के स्वास्थ्य अधोसंरचना कार्यों का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह, चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर में 103 करोड़ रुपये से अधिक लागत के स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करेगा। प्रदेश में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यह परियोजनाएं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई प्रदान करेंगी तथा मरीजों, विद्यार्थियों और चिकित्सकों सभी को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास, कैंसर भवन के विस्तार तथा चिकित्सकों एवं कमर्चारियों के आवासीय परिसर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछली बार मेडिकल कॉलेज आने पर विद्यार्थियों ने छात्रावास निर्माण की मांग रखी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए आज उसके निर्माण की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए स्वस्थ छत्तीसगढ़ आवश्यक है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार का छत्तीसगढ़ को निरंतर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि डीएम कार्डियक कोर्स की स्वीकृति से लेकर अन्य स्वास्थ्य परियोजनाओं तक केंद्र सरकार ने हर मांग पर सकारात्मक सहयोग दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में छत्तीसगढ़ को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद) की भी सौगात मिलेगी, जिससे राज्य की समृद्ध औषधीय वनस्पतियों एवं आयुर्वेद को नई पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर लाखों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया है। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी कर सरगुजा से लेकर बस्तर तक प्रदेश के हर क्षेत्र में सेवाएं देने का संकल्प लें और केवल शहरों तक सीमित रहने की मानसिकता न रखें। उन्होंने कहा कि सरकार चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों को बेहतर अधोसंरचना, छात्रावास एवं आधुनिक शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि लगभग 104 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छात्रावास, कैंसर संस्थान विस्तार एवं अन्य अधोसंरचना परियोजनाएं चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा से पहले एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहा है। राज्य में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति, नर्सिंग कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि, फिजियोथेरेपी कॉलेजों का विस्तार तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 एकड़ क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाले योग एवं नेचुरोपैथी अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर का निर्माण भी प्रगति पर है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्व में लंबित कोरबा, कांकेर एवं महासमुंद मेडिकल कॉलेजों के निर्माण कार्य प्रारंभ कराए हैं। बिलासपुर स्थित सिम्स का भी व्यापक उन्नयन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि डीएम कार्डियक कोर्स प्रारंभ हो चुका है तथा जगदलपुर में जल्द ही छत्तीसगढ़ का दूसरा सबसे बड़ा हार्ट सेंटर स्थापित किया जाएगा।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रथम परियोजना के तहत 200 सीटर आधुनिक छात्र-छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाओं के साथ चिकित्सकों एवं कमर्चारियों के लिए भी आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

दूसरी परियोजना के तहत कैंसर भवन का द्वितीय से छठे तल तक विस्तार किया जाएगा। लगभग 11 हजार वगर्मीटर क्षेत्र में बनने वाले इस भवन में आधुनिक लैब, 64-64 बिस्तरों वाले वार्ड, सिंगल रूम, आईसीयू तथा अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर विकसित किए जाएंगे, जिससे कैंसर रोगियों को उच्च स्तरीय उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। तीसरी परियोजना के अंतर्गत छात्राओं के लिए आधुनिक छात्रावास का विस्तार किया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त कमरे, डॉरमेट्री, लाइब्रेरी, रिक्रिएशन हॉल तथा सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि छात्राओं को सुरक्षित एवं बेहतर आवासीय वातावरण उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, सीजीएमएससी के चेयरमैन दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश अग्रवाल, पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर सहित जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, मेडिकल विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

रायपुर पुलिस को तकनीकी बढ़त : 308 विवेचकों को ई-साक्ष्य संकलन के लिए मोबाइल फोन वितरित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विवेचना कार्य को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के 308 विवेचकों को ई-साक्ष्य संकलन हेतु मोबाइल फोन दिए गए। मोबाइल वितरण का कार्यक्रम 4 जुलाई को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित किया गया। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने स्वयं विवेचकों को मोबाइल वितरित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

पुलिस मुख्यालय द्वारा नवीन कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए दिए गए इन मोबाइलों का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का त्वरित एवं सुरक्षित संकलन, व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और विभिन्न तकनीकी प्लेटफॉर्मों से समन्वय स्थापित करना है। इन मोबाइलों के जरिए फील्ड में साक्ष्य संग्रह, फोटोग्राफी, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और डिजिटल रिपोर्टिंग को मानकीकृत किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने विवेचकों को निर्देश दिए कि वे डिजिटल ऐप्स, ई-साक्ष्य संचालन प्रोटोकॉल और डेटा सुरक्षा के मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से की गई विवेचना से न केवल मामलों को सुलझाने में तेजी आएगी, बल्कि न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

यह पहल राज्य पुलिस मुख्यालय की डिजिटल सुदृढ़ता नीति का हिस्सा है। इसका लक्ष्य पुलिसिंग को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर न्यायिक प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाना है। मोबाइल वितरण के साथ आगामी चरणों में विवेचकों के लिए प्रशिक्षण सत्र, तकनीकी सहायता और डेटा सुरक्षा दिशानिर्देशों की मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

स्व. तीजन बाई को कल मुक्ताकाशी मंच से छग के लोक कलाकार देंगे श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पंडवानी की अप्रतिम साधिका, पद्मविभूषण एवं डी.लिट. से सम्मानित डॉ. श्रीमती तीजन बाई को 8 जुलाई को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। संस्कृति विभाग द्वारा स्व. तीजन बाई को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पण का यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे महंत घासीदास संग्रहालय परिसर, स्थित मुक्ताकाशी मंच से आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल सहित मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के साथ छत्तीसगढ़ के पद्मश्री एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित कलाकार, साहित्यकार, संस्कृति कर्मी तथा बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित लोक कलाकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उस महान विभूति को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे, जिन्होंने पंडवानी जैसी लोकवाचिक परंपरा को गांव के चौपाल से उठाकर विश्व के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंचों तक पहुंचाया। गीत, संगीत,

पंडवानी, लोकगायन और अन्य लोककलाओं की प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया जाएगा। यह आयोजन केवल एक श्रद्धांजलि समारोह नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के उस स्वर्णिम अध्याय को नमन है, जिसे डॉ. श्रीमती तीजन बाई ने अपने संपूर्ण जीवन की साधना से रचा।

पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई का निधन 5 जुलाई 2026 को हुआ। उनके निधन से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश और विश्व के कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके साथ भारतीय लोककला का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय समाप्त हुआ, जिसने पंडवानी को नई प्रतिष्ठा, नई पहचान और वैश्विक सम्मान दिलाया। 24 अप्रैल 1956 को दुर्ग जिले के गनियारी गांव में जन्मी पद्मविभूषण श्रीमती तीजन बाई का बचपन अत्यंत साधारण परिस्थितियों में बीता। महज 13 वर्ष की आयु में उन्होंने अपना पहला सार्वजनिक मंच प्रदर्शन किया और उसी समय यह संकल्प लिया कि वे पंडवानी को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाएंगी। उस दौर में महिलाओं द्वारा पारंपरिक वेदमती शैली में बैठकर पंडवानी प्रस्तुत करने की परंपरा थी, लेकिन उन्होंने साहस के साथ कपालिक शैली में खड़े होकर पंडवानी प्रस्तुत की। अपनी दमदार आवाज, सशक्त अभिनय और प्रभावशाली भावाभिव्यक्तियों से उन्होंने पंडवानी को नई पहचान दिलाई और इसे जन-जन तक पहुंचाया।

प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर ने उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद डॉ. तीजन बाई ने 17 से अधिक देशों में पंडवानी की प्रस्तुति देकर न केवल इस लोककला को वैश्विक पहचान दिलाई। वे विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन गईं। पांच दशक से अधिक समय तक उन्होंने महाभारत की कथाओं को अपनी अनूठी शैली में जीवंत किया। उनके मंचन में गायन, अभिनय, संवाद, भावाभिव्यक्ति और लोकभाषा का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने सिद्ध किया कि लोककला किसी क्षेत्र विशेष की धरोहर नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की सांस्कृतिक विरासत है।

उनकी अनुपम कला साधना के लिए उन्हें पद्मश्री (1988), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1995), पद्मभूषण (2003), जापान का प्रतिष्ठित फुकुओका पुरस्कार (2018), पद्मविभूषण (2019) तथा डी.लिट. (मानद उपाधि) सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिले। इन सम्मानों ने उनके गौरवशाली सांस्कृतिक योगदान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्रदान की। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह सांगीतिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम वास्तव में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण है। लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उनकी कला साधना, संघर्ष और पंडवानी की गौरवशाली परंपरा को साकार करेंगे।

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्र. 202606101000129
अ-6-'वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विमल निंबालकर सुखदेव निंबालकर निवासी भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 2208 रकबा 0.020 हे. भूमि मंजूरा निंबालकर पति सुखदेव निंबालकर के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 06.07.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

जितनी उमर है उससे ज्यादा तो रिकार्ड उनके नाम हैं

कोई भी खेल हो,उसके जो जन्मजात प्रतिभावान खिलाड़ी होते हैं,वह कुछ अलग होते हैं,वह कुछ खास होते हैं,वह कोई खेल खेलने के लिए ही पैदा होते हैं और जो खेल वह खेलते हैं,उसमें भी वह अपनी एक अलग पहचान बनाते हैं। खेलने का एक अलग अंदाज ही उनकी अपनी खास पहचान होती है ।अपने अलग खेल अंदाज के कारण ही वह दूसरे तमाम खिलाडियों से ज्यादा लोकप्रिय होते हैं,उनके प्रति लोगों में एक दीवानगी होती है,ऐसी दीवानगी होती है कि लोग इंतजार करते हैं कि किस दिन वह खेलेंगे और बड़ी बेसब्री से लोग उस दिन का इंतजार करते हैं,वह जितनी देर खेलता है, लोग सब काम छोड़कर उसे खेलते हुए देखते हैं ।उसी का खेल देखने के लिए टीवी चालू करते हैं और उसका खेल खत्म होने पर टीवी बंद भी कर देते हैं ।क्रिकेट खिलाड़ियों की पुरानी पीढ़ी में सुनील गावस्कर,सचिन तेंदुलकर ऐसे ही क्रिकेट खिलाड़ी थे।

क्रिकेट खिलाड़ियों की नई पीढ़ी में वैभव सूर्यवंशी ऐसा ही खिलाड़ी है ।उसके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार देश के साथ विदेश में भी बड़ी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। आईपीएल 26 में उनका प्रदर्शन ही ऐसा था कि देश के साथ ही विदेश में भी नए व पुराने क्रिक्रेट खिलाड़ी चाहते थे कि उनका सलेक्शन भारतीय टी-20 टीम में होना चाहिए। आयरलैंड, इंग्लैंड जाने वाली टीम में उनका नाम आ गया तो देश के लोगों के सबसे ज्यादा खुशी हुई कि वह जैसा चाहते थे, वैसा हो गया है ।वैभव को टीम में शामिल होने के बाद सब चाहते थे कि उसको आयरलैंड के पहले मैच में खेलाया जाए ताकि उसका इंटरनेशलनल डेब्यू अच्छे से हो जाए। उसे इंतजार ने करना पड़े, इंतजार में उस पर किसी तरह का दवाब न पड़े। लेकिन आयरलैंड के दो मैच में उसको नहीं खेलाया गया और भारत दोनों मैच हार गया ।सब चाहते थे कि इंग्लैंड में कम से कम पहले मैच में तो उसको खेलाया जाए.यहां भी वैभव व उसके चाहने वालों को इंतजार करना पड़ा ।पहले मैच बारिश से प्रभावित रहा और बेनतीजा रहा। वैभव को तीन मैच में नही खेलाने पर देश ही नहीं विदेशों में लोग नाराजगी जाहिर कर रहे थे कि उनको क्यों नहीं मौका दिया जा रहा है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में वैभव को मौका दिया गया। उसका नाम 11 लोगों में शामिल होने पर लोगों ने खूब खुशी जाहिर की। क्योंकि यह एक ऐसा अवसर था जिसका भागीदार हर शख्स बनना चाहता था और ताकि दस बीस साल बाद वह कह सके कि हमने 15 साल 99 दिन में वैभव का इंटरनेशनल क्रिकेट डेब्यू देखा है। वैभव का इंटरनेशनल क्रिकेट डेब्यू भी एक नया रिकार्ड है क्योंकि अब वह देश के सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए है, यानी एक और नया रिकार्ड उनके नाम हो गया है। वैभव ने 14 साल की उमर में आईपीएल खेलना शुरू करके रिकार्ड के बाद रिकार्ड बनाते चले गए हैं। 15 साल 99 दिन में उनके नाम 15 से ज्यादा रिकार्ड तो हो ही गए हैं। यानी जितनी उनकी उमर है उनसे ज्यादा उनके रिकार्ड हो गये हैं। ज्यादातर रिकार्ड ऐसे हैं जो बरसों से बने हुए थे और उनको बड़े से बड़ा खिलाड़ी,महान खिलाड़ी भी तोड़ नहीं पा रहा था। ऐसे कई रिकार्ड वैभव तोड़ चुके हैं और नया रिकार्ड बना रहे हैं।

लोग कहते हैं कि खेल बदलता है तो खिलाड़ियों को बदलना पड़ता है। खेल बदलता है और खेल के हिसाब से ज्यादातर खिलाड़ी खुद को बदलते रहते हैं लेकिन असाधारण, विलक्षण,चमत्कारिक खिलाड़ी तो वह होता है जो अपने खेलने के ढंग से खेल को ही बदल देता है और लोग उसके खेलने के ढंग को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं, उसके खेल के दीवाने हो जाते है,वह कहते हैं टी-20 तो ऐसे ही खेला जाना चाहिए। वैभव ऐसे ही टी-20 के खिलाड़ी है जिन्होंने टी-20 को बदल के रख दिया है। वैभव के आने के बाद टी-20 मतलब हो गया है कि पहले छह ओवर में 80-100 रन बना देना,15 रन प्रति ओवर बनाना। स्ट्राइक रेट 250 से ज्यादा होना,कम गेंद में ज्यादा रन बनाना, चौके से ज्यादा छक्के मारना। एक ओवर में तीन चार छक्के मारना। 80-90 रन बनाने हैं तो उसमें अनिवार्य रूप से दस छक्के होना। वैभव जहां भी खेलने गए यही किया है, मैच जिताने में उनकी अहम भूमिका रही है।

महान खिलाड़ी वह होते हैं जिनके समय को उनके नाम से याद किया जाता है। जैसे गावस्कर युग,सचिन युग के बाद अब लोग मान कर चल रहे हैं कि आने वाले दस बीस साल भविष्य में वैभव युग के रूप में याद किए जाएंगे। वैभव का युग आईपीएल में शुरू हो गया है, इंटरनेशनल स्तर पर भी शुरू हो गया है। सब इंतजार कर रहे थे ज्योफ्रा आर्चर की पहली गेंद को वैभव कैसे खेलेंगे और वैभव ने बता दिया कि उनके लिए गेंद मायने रखती है,गेंदबाज मायने नहीं रखता है। वैभव ने आर्चर को छक्का मारकर बता दिया है कि वैभव हमेशा वैभव की तरह खेलता है गेंदबाज चाहे कोई भी हो।

यह सच है कि महान खिलाड़ी का फैसला उसकी कुछ शानदार पारियों से नहीं होता है। कुछ सालों के प्रदर्शन से नहीं होता है। बल्कि लंबे समय तक एक से दो दशक तक लगातार उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने से होता है। महानता के लिए खेल में निरंतरता,लंबा कैरियर व सबको प्रभावित करने वाला प्रदर्शन जरूरी होता है। यह भी सच है कि जो विलक्षण खिलाड़ी होते हैं,जन्मजात प्रतिभावान होते हैं, वह अपनी उमर से ज्यादा अच्छा खेलते हैं, जब भी साबित करने का मौका आता है तो वह साबित करते हैं,वह खेलते जाते हैं और पुराने रिकार्ड टूटते जाते है और रिकार्ड बनते जाते है। पुराने खिलाडी हो, नए खिलाड़ी हो, सब हैरान परेशान रहते हैं कि ऐसा कैसे हो रहा है। यह बच्चा ऐसा कैसे कर पा रहा है। वर्तमान में वैभव हमारे देश का ऐसा ही बच्चा है, जिसके खेल के सब दीवाने हैं, वह अभी खेलना शुरू कर रहा है लेकिन ज्यादातर लोगों को भरोसा है कि यह खिलाड़ी देश के अन्य महान खिलाड़ियों का तरह आने वाले समय में देश का नाम ऊंचा करेगा।

जल के बिना भी संकट, जल के साथ भी संकट

आर.के. जैन

भारतीय शहर आज विकास की सबसे बड़ी विडंबना का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष का एक हिस्सा पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकते हुए गुजरता है, तो दूसरा उसी पानी से बचने के संघर्ष में। कुछ ही महीने पहले दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में सूखे नल, घटता भूजल, टैंकरों के पीछे लंबी कतारें और 'वॉटर क्राइसिस' के बोर्ड दिखाई दे रहे थे। आज वही शहर मूसलाधार बारिश में डूबे हैं। सड़कें नदियों में बदल गई हैं, मेट्रो स्टेशन जलमग्न हैं, वाहन बह रहे हैं और जनजीवन ठप पड़ा है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल की विफलता है जिसने प्रकृति के साथ चलने के बजाय उसे पराजित करने का भ्रम पाल लिया।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि जल संकट और जलभराव अब अलग-अलग समस्याएँ नहीं, बल्कि एक ही अव्यवस्थित व्यवस्था के दो चेहरे हैं। गर्मियों में दिल्ली का भूजल खतरनाक स्तर तक गिर जाता है और लोग पानी के लिए भटकते हैं, जबकि मानसून की पहली तेज बारिश में वही इलाके घुटनों तक पानी में डूब जाते हैं। मुंबई में हर वर्ष लोकल ट्रेनें ठप पड़ती हैं और लाखों लोग प्रभावित होते हैं। तकनीकी राजधानी बेंगलुरु में सड़कें जलमग्न होने पर आईटी कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम लागू करना पड़ता है। चेन्नई में 2015 की विनाशकारी बाढ़ की यादें आज भी भय पैदा करती हैं। शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में प्रमुख शहरों में जलभराव की घटनाएँ लगभग 35 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह केवल वर्षा की तीव्रता नहीं, बल्कि हमारी योजनागत विफलता का प्रमाण है।

इस संकट की जड़ें प्रकृति में नहीं, हमारी विकास नीति में हैं। शहरों के अंधाधुंध विस्तार ने झीलों, तालाबों, वेटलैंड्स और प्राकृतिक जलमार्गों को निगल लिया। सदियों तक वर्षा जल सँभालने वाले जलाशयों की जगह मॉल, बहुमंज़िला इमारतें, कॉलोनियाँ और सड़कें खड़ी हो गईं। नतीजतन वर्षा जल के प्राकृतिक निकास मार्ग समाप्त हो गए। बादल अपना काम करते हैं, लेकिन शहर विफल हो जाते हैं। पानी के पास बहने का रास्ता नहीं बचता, इसलिए वह सड़कों, बेसमेंटों, मेट्रो स्टेशनों और रिहायशी इलाकों में भर जाता है। दिल्ली-एनसीआर का अनेक स्थानों पर 50झ्र60 वर्ष पुराना ड्रेनेज तंत्र आज की आबादी और वर्षा का दबाव नहीं झेल पा रहा, जबकि मुंबई में समुद्र से पुनः प्राप्त भूमि पर जल निकासी और गंभीर हो गई है। प्रकृति को कुचलकर किए गए विकास की कीमत आज हर नागरिक चुका रहा है।

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह कोई अप्रत्याशित आपदा नहीं। हर वर्ष मानसून आता है, भारी बारिश होती है और जलभराव होता है, फिर भी प्रशासन की तैयारी अधूरी रहती है। नालों की सफाई अधूरी, पंपिंग स्टेशन खराब, ड्रेनेज का आधुनिकीकरण फाइलों में और जल निकासी पर निवेश नाकाफी रहता है। नतीजा, कुछ घंटों की बारिश ही शहर की रफ्तार थाम देती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, शहरी बाढ़ से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। इसके बावजूद स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में ड्रेनेज, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल प्रबंधन प्राथमिकता नहीं बन पाए। योजनाएँ आधुनिक दिखती हैं, लेकिन बुनियादी ढाँचा आज भी जर्जर और उपेक्षित है।

प्रशासनिक उदासीनता की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं। कमर्चारी घंटों जाम में फँसते हैं, विद्यार्थी विद्यालय नहीं पहुँच पाते, छोटे व्यापारी कारोबार ठप होने को विवश होते हैं और कई बार गंभीर रोगी समय पर अस्पताल तक नहीं पहुँच पाते। जलभराव केवल असुविधा नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं, संक्रामक रोगों, बिजली संकट और आर्थिक ठहराव का कारण बनता है। दूसरी ओर गर्मियों में यही नागरिक टैंकरों से महँगा पानी खरीदने को मजबूर होते हैं। यानी कुछ ही महीनों में एक ही शहर पानी की कमी और पानी की अधिकता—दोनों का संकट झेलता है। इससे बड़ा विकास का विरोधाभास क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि समस्या का समाधान केवल राहत कार्यों से नहीं होगा। भारत को ऐसी समग्र जल नीति चाहिए, जो जल संरक्षण, जल निकासी और भूजल पुनर्भरण—तीनों को समान महत्व दे। हर नए निर्माण में वर्षा जल संचयन, पर्मिएबल सड़कें तथा वेटलैंड्स, झीलों और तालाबों का संरक्षण अनिवार्य हो। उपेक्षित पारंपरिक जलाशयों के पुनर्जीवन का राष्ट्रीय अभियान चलाया जाए। दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में वेटलैंड पुनर्स्थापन के सफल मॉडल साबित कर चुके हैं कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और वैज्ञानिक योजना से जल संकट और जलभराव, दोनों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। अब इन्हें देश की शहरी नीति का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा।

समय आ गया है कि शहरों की योजना कंक्रीट नहीं, जल के आधार पर बने। किसी भी सड़क, कॉलोनी, फ्लाईओवर, मेट्रो या आवासीय परियोजना को तभी स्वीकृति मिले, जब वह प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा न बने। शहरी नियोजन का हर निर्णय इस सोच पर आधारित हो कि वर्षा का पानी संकट नहीं, भविष्य की जल सुरक्षा का सबसे बड़ा स्रोत है। वर्षा जल का वैज्ञानिक संचयन, भूजल पुनर्भरण और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन सुनिश्चित हो जाए, तो आज का यही पानी कल सबसे बड़ी जीवन-संपदा बन सकता है।

भारतीय शहर आज ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ विकास की दिशा बदलना अनिवार्य है। प्रकृति से संघर्ष कर कोई सभ्यता लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह सकती। जो विकास प्रकृति को मिटाता है, प्रकृति भी उसे टिकने नहीं देती। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई—हर महानगर यही चेतावनी दे रहा है कि अभी भी समय है। यदि जल-संवेदनशील शहरी नियोजन, उत्तरदायी प्रशासन और प्रभावी जल नीति को तुरंत लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में शहर हर मानसून में डूबेंगे और हर गर्मी में प्यासे रहेंगे। तब इतिहास यही दर्ज करेगा कि हमने पानी को संसाधन नहीं, संकट बना दिया— और यही हमारे विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना होगी।

हर जीवन की एक कहानी होती है, हर कहानी में संघर्ष होता है

संगीता मिश्रा

जो संघर्ष से घबरा जाए,
उसका जीवन निस्तेज होता है।
पर जो विपदाओं को मुस्कुराकर गले लगाता है,
जो आँधियों में भी दीप जलाता है,
वही इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर
अपना अमिट नाम लिख जाता है।
ऐसी ही संघर्ष, साहस और संकल्प की प्रतिमूर्ति हैं—
आदरणीया कुमारी संगीता मिश्रा जी।
जिन्होंने जीवन के प्रत्येक संघर्ष को
कभी अभिशाप नहीं माना,
कभी बोझ नहीं समझा,
न निराशा को अपना साथी बनाया,
न हताशा को अपना भाग्य माना।
वे सदा कहा करती हैं—
"वृक्ष का तना जितना सुदृढ़ होता है,
उतने ही अधिक फल उस पर लगते हैं।
यदि तना ही कमजोर हो जाए,
तो फल भी टिक नहीं पाते।
ईश्वर भी उसी को अधिक संघर्ष देता है,
जिसमें उन्हें सहने की क्षमता होती है।
संघर्ष मनुष्य को तोड़ता नहीं,
बल्कि कुंदन बनाकर निखार देता है।"
यही उनका जीवन-दर्शन है,
यही उनके व्यक्तित्व की पहचान है।
पूज्य स्वर्गीय पिता
श्री राजनारायण मिश्रा जी से
उन्हें सत्य, साहस, ईमानदारी, कर्तव्य और आत्मसम्मान के संस्कार मिले।
पूज्य स्वर्गीय माता
श्रीमती रीत रानी मिश्रा जी से
ममता, सेवा, करुणा, संवेदनशीलता और मानवता
का अमूल्य आशीर्वाद मिला।
और जीवन की प्रत्येक कठिन राह पर
आदरणीया पुष्पा मिश्रा जी का स्नेह,
श्रीमती सुनीता मिश्रा जी का अपनापन,
दोनों बहनों का अटूट विश्वास
उनकी सबसे बड़ी शक्ति बनता रहा।
बी.एससी., एल.एल.बी. एवं एम.ए. जैसी उच्च
शिक्षा प्राप्त कर
उन्होंने सिद्ध कर दिया कि
ज्ञान ही व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति है।
किन्तु...
जीवन की सबसे कठिन परीक्षा अभी शेष थी।
एक समय ऐसा आया,
जब पूज्य माता का साया सिर से उठ गया।
और कुछ समय बाद
पूज्य पिता का स्नेहिल हाथ भी छूट गया।
क्षणभर में जैसे जीवन बदल गया।
घर वही था...
दीवारें वही थीं...
परंतु हर कोना सूना हो गया।
वे भीतर से पूरी तरह टूट गईं।
कई दिनों तक
घर की चौखट भी पार न कर सकीं।
न किसी से मिलना...
न कहीं जाना...
न कुछ कहना...
बस स्मृतियाँ थीं...
आँखों में अश्रु थे...
और हृदय में माता-पिता की अनगिनत यादें थीं।
लेकिन...
एक दिन
उनकी अंतरात्मा ने उन्हें झकझोर दिया।
जैसे भीतर से कोई स्वर गूँजा—
"उठो संगीता...!
यह रुकने का समय नहीं है।
तुम्हें अभी बहुत संघर्ष करना है।
तुम्हें अभी बहुत दूर तक जाना है।
तुम्हें केवल अपने लिए नहीं,
समाज की प्रत्येक बेटी के लिए जीना है।"
अंतरात्मा फिर बोली—
"यदि पुत्र नहीं है तो क्या हुआ...
पुत्रियाँ भी किसी से कम नहीं होतीं।
वे माता-पिता की सेवा भी करती हैं,
उनके संस्कारों को भी जीवित रखती हैं,
और आवश्यकता पड़ने पर
उनकी आत्मा की शांति के लिए
हर कर्तव्य निभाती हैं,
हर बलिदान देती हैं।"
उसी क्षण...
उन्होंने अपने आँसुओं को शक्ति बनाया,
अपनी वेदना को संकल्प बनाया,
और अपने जीवन की दिशा बदल दी।
उन्होंने प्रण किया—
**"मेरे मम्मी-पापा कहीं गए नहीं हैं।
वे तो मेरी हर धड़कन में बसते हैं।
उन्होंने ही मुझे इस योग्य बनाया है।
मैं उनके संस्कारों का दीप
कभी बुझने नहीं दूँगी।
मैं उनके आदर्शों की ज्योति
सदैव प्रज्वलित रखूँगी।
माँ... पापा...
आप जहाँ भी हों,
सुखी रहें...
शांत रहें...
मैं आपके बताए हुए मार्ग पर चलकर
समाज में प्रेरणा के दीप जलाती रहूँगी।
हर बेटी को यह विश्वास दिलाती रहूँगी
कि बेटियाँ किसी पुत्र से कम नहीं होतीं।
आपकी अमर विरासत
मेरे कर्मों से जीवित रहेगी।
यही मेरी श्रद्धांजलि है...
यही मेरा संकल्प है...
और यही मेरे जीवन का सबसे बड़ा धर्म है।"
उस दिन के बाद...
उनकी कलम केवल समाचार नहीं लिखती,
वह संस्कार लिखती है।
वह संवेदनाएँ लिखती है।
वह समाज की पीड़ा लिखती है।
वह हर बेटी का आत्मविश्वास लिखती है।
वर्ष 2011 में
प्रतिष्ठित दैनिक नवभारत से
उन्होंने पत्रकारिता की यात्रा प्रारंभ की।
सच को सच कहने का साहस,
जन-जन की पीड़ा को शब्द देने का संकल्प,
निष्पक्षता को धर्म और ईमानदारी को पहचान बनाकर
उन्होंने पत्रकारिता को केवल व्यवसाय नहीं,
बल्कि समाज सेवा का सशक्त माध्यम बना दिया।
फिर वर्ष 2016 में
प्रतिष्ठित दैनिक हरिभूमि से जुड़ीं।
और तब से आज तक
अपनी निर्भीक लेखनी के माध्यम से
समाज की आवाज बनकर
निरंतर जनसेवा कर रही हैं।
महिलाओं के अधिकार,
बाल विकास की योजनाएँ,
युवाओं के सपने,
सामाजिक सरोकार,
धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ—
हर विषय पर उनकी लेखनी
सत्य का दीप प्रज्वलित करती रही है।
ग्राउंड रिपोर्ट हो या लाइव कवरेज,
विशेष समाचार हो या जनहित का प्रश्न—
हर स्थान पर
उनकी निष्पक्षता ने
उन्हें जनविश्वास का पर्याय बना दिया।
केवल पत्रकारिता ही नहीं...
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस,
नवरात्रि डांडिया महोत्सव,
होली मिलन समारोह,
समर कैंप
और अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों का
सफल संचालन एवं संयोजन कर
उन्होंने समाज को नई ऊर्जा दी है।
सम्मानों की यदि गाथा कहने बैठें,
तो समय भी कम पड़ जाएगा।
छत्तीसगढ़ की पूर्व राज्यपाल
माननीया श्रीमती अनुसुईया उइके जी के करकमलों
से सम्मान...
महिला दिवस पर
माननीया कौशल्या देवी साय जी द्वारा सम्मान...
राष्ट्रीय महिला आयोग की कायर्शाला में
छत्तीसगढ़ की चुनिंदा पाँच महिला पत्रकारों में चयन...
नई दिल्ली में
राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष
माननीया विजया राहटकर जी द्वारा सम्मान...
सवर्यूपारीण ब्राह्मण समाज का सम्मान...
राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज का अभिनंदन...
श्रीराम जन्मोत्सव समिति का सम्मान...
प्रतिष्ठित कमल वीर सम्मान...
माँ शारदा सामर्थ्य चैरिटेबल ट्रस्ट का सम्मान...
और ऐसे अनेकों सम्मान...
जो उनके व्यक्तित्व की ऊँचाइयों के साक्षी हैं।
किन्तु...
उनकी सबसे बड़ी पहचान
कोई पुरस्कार नहीं...
उनकी सबसे बड़ी पहचान है—
उनकी सादगी...
उनकी विनम्रता...
उनकी निष्पक्षता...
उनकी संवेदनशीलता...
उनकी निर्भीकता...
और समाज के अंतिम व्यक्ति तक
न्याय की आवाज पहुँचाने का उनका अटूट संकल्प।
आज वे हजारों युवाओं की प्रेरणा हैं।
असंख्य बेटियों का आत्मविश्वास हैं।
पत्रकारिता जगत की विश्वसनीय पहचान हैं।
और समाज के लिए
एक प्रज्वलित प्रेरणा-दीप हैं।
उनका जीवन हमें यही संदेश देता है
**संघर्ष से मत घबराना...
उसे अपना गुरु बना लेना।
कठिनाइयों से मत हारना...
उन्हें अपनी शक्ति बना लेना।
ईश्वर उसी की परीक्षा लेता है,
जिसे वह आगे बढ़ाना चाहता है।
आइए...
संघर्ष को सफलता में बदल देने वाली,
सत्य की निर्भीक साधिका,
समाज सेवा की समर्पित प्रहरी,
महिला सशक्तिकरण की बुलंद आवाज,
वरिष्ठ पत्रकार,
प्रेरणामयी व्यक्तित्व की धनी,
आदरणीया कुमारी संगीता मिश्रा जी
आपका जीवन युगों-युगों तक संघर्ष को साहस,
सेवा को साधना और
पत्रकारिता को जनकल्याण का
पर्याय बनकर नई
पीढ़ियों को प्रेरित
करता रहे।

रचयिता :
साहित्यकार कैलाश जैन बरमेचा

वैज्ञानिकों ने बिना बिजली के पराबैंगनी प्रकाश उत्पन्न करने के लिए सूर्य की रोशनी का किया उपयोग

डॉ. विजय गर्ग

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी अभिनव तकनीक विकसित की है, जो सामान्य सूर्य के प्रकाश को बिना किसी अतिरिक्त बिजली के पराबैंगनी (यूवी) प्रकाश में परिवर्तित कर सकती है। यह उपलब्धि ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं और औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है। यह खोज दर्शाती है कि भविष्य में सौर ऊर्जा का उपयोग केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उससे विशेष प्रकार की ऊर्जा भी प्राप्त की जा सकेगी, जिनका उपयोग समाज की अनेक आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जा सकता है।

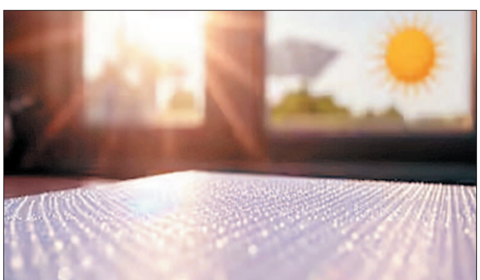

पराबैंगनी प्रकाश का महत्व

पराबैंगनी प्रकाश का उपयोग जल शुद्धिकरण, अस्पतालों में उपकरणों के कीटाणुशोधन, त्वचा संबंधी कुछ रोगों के उपचार, रासायनिक उद्योगों और सेमीकंडक्टर निर्माण जैसे अनेक क्षेत्रों में किया जाता है। पारंपरिक रूप से यूवी प्रकाश उत्पन्न करने के लिए विद्युत चालित विशेष लैंपों का उपयोग किया जाता है, जो अधिक ऊर्जा खर्च करते हैं और कई बार पारा (मरकरी) जैसे हानिकारक पदार्थों पर निर्भर होते हैं। इससे पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

नई तकनीक इस चुनौती का समाधान प्रस्तुत करती है, क्योंकि यह सीधे सूर्य की प्राकृतिक रोशनी को उच्च-ऊर्जा वाले पराबैंगनी प्रकाश में बदल सकती है।

यह तकनीक कैसे काम करती है?

इस तकनीक का आधार फोटॉन अपकन्वर्जन नामक वैज्ञानिक सिद्धांत है। इसमें विशेष प्रकार की सामग्रियाँ सूर्य के दृश्य प्रकाश के दो या अधिक कम-ऊर्जा वाले फोटॉनों को अवशोषित करती हैं और उनकी संयुक्त ऊर्जा से एक उच्च-ऊर्जा वाला पराबैंगनी फोटॉन उत्पन्न करती हैं।

सरल शब्दों में कहें तो यह प्रक्रिया साधारण सूर्य के प्रकाश को अधिक शक्तिशाली यूवी किरणों में बदल देती है, वह भी बिना किसी बाहरी विद्युत स्रोत के। वैज्ञानिक कई वर्षों से इस दिशा में काम कर रहे थे, लेकिन प्राकृतिक सूर्य के प्रकाश में इस प्रक्रिया को प्रभावी बनाना एक बड़ी चुनौती थी। आधुनिक नैनो-सामग्रियों और आणविक प्रौद्योगिकी ने अब इस लक्ष्य को काफी हद तक संभव बना दिया है।

पर्यावरण के लिए वरदान

यह खोज पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पारंपरिक यूवी लैंप न केवल अधिक बिजली की खपत करते हैं, बल्कि उनमें प्रयुक्त पारा पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकता है। सौर ऊर्जा आधारित यूवी प्रणालियाँ कार्बन उत्सर्जन को कम कर सकती हैं और खतरनाक रसायनों पर निर्भरता भी घटा सकती हैं। इससे स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में वैश्विक प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

जल शुद्धिकरण में नई संभावनाएँ

पराबैंगनी प्रकाश जल में मौजूद बैक्टीरिया और वायरस को नष्ट करने का एक प्रभावी माध्यम है। लेकिन इसके लिए बिजली की आवश्यकता दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ी बाधा बनती है।

यदि सूर्य के प्रकाश से सीधे यूवी किरणें उत्पन्न की जा सकें, तो कम लागत वाले और बिजली-मुक्त जल शुद्धिकरण संयंत्र विकसित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण समुदायों, आपदा प्रभावित क्षेत्रों और बिजली से वंचित स्थानों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना आसान हो जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोग

अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में यूवी प्रकाश का उपयोग उपकरणों और कमरों को रोगाणु-मुक्त करने के लिए किया जाता है। नई तकनीक ऐसे पोर्टेबल उपकरणों के विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है जो केवल सूर्य की रोशनी से संचालित हों।

इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी सुरक्षित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना संभव हो सकेगा, जहाँ बिजली की उपलब्धता सीमित है।

उद्योगों के लिए नई दिशा

सेमीकंडक्टर, रासायनिक उत्पादन और अन्य उच्च-प्रौद्योगिकी उद्योगों में पराबैंगनी प्रकाश की बड़ी आवश्यकता होती है। यदि यह ऊर्जा सीधे सूर्य से प्राप्त की जा सके, तो उत्पादन लागत कम हो सकती है और उद्योग अधिक पर्यावरण-अनुकूल बन सकते हैं।

यह तकनीक हरित विनिर्माण (ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग) को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और भविष्य के औद्योगिक विकास को अधिक टिकाऊ बना सकती है।

अभी भी मौजूद हैं चुनौतियाँ

हालाँकि यह उपलब्धि अत्यंत आशाजनक है, लेकिन इसके व्यापक व्यावसायिक उपयोग से पहले कई चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। वैज्ञानिकों को इसकी दक्षता बढ़ाने, प्रयुक्त सामग्रियों की स्थायित्व सुनिश्चित करने और उत्पादन लागत को कम करने पर और कार्य करना होगा।

इसके अलावा, विभिन्न जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों में इसकी कार्यक्षमता का भी परीक्षण करना आवश्यक है। बिना बिजली के सूर्य की रोशनी से पराबैंगनी प्रकाश उत्पन्न करने की यह उपलब्धि ऊर्जा विज्ञान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह खोज न केवल स्वच्छ ऊर्जा के नए विकल्प प्रदान करती है, बल्कि जल शुद्धिकरण, स्वास्थ्य सेवाओं और औद्योगिक विकास के लिए भी नई संभावनाओं के द्वार खोलती है। जैसे-जैसे वैज्ञानिक सूर्य की ऊर्जा का अधिक प्रभावी उपयोग करने के नए तरीके खोज रहे हैं, वैसे-वैसे एक ऐसे भविष्य की संभावना मजबूत हो रही है, जहाँ स्वच्छ, नवीकरणीय और टिकाऊ ऊर्जा मानव विकास की आधारशिला बनेगी।

भाजपा की डबल इंजन सरकार में भी बदहाल व्यवस्था, बारिश में वार्ड-11 हुआ जलमग्न

नगर पालिका के सभापति व भाजपा पार्षद को स्वयं फावड़ा लेकर नाली की सफाई करनी पड़ी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बारिश की पहली ही झड़ी ने नगर पालिका की तैयारियों की पोल खोल दी। वार्ड क्रमांक 11 में गंभीर जलभराव की स्थिति बनने के बाद नगर पालिका के सभापति एवं भाजपा पार्षद विकास तम्बोली को स्वयं फावड़ा लेकर नाली की सफाई करनी पड़ी। प्रदेश और नगर दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद नगर पालिका की लचर कार्यप्रणाली सामने आई। रविवार को लगातार बारिश के कारण पंजाबी पारा, गंजपारा, दुर्ग रोड, गस्ती चौक, आरामिल गली, रायपुर रोड और मंडी क्षेत्र की गलियों में पानी भर गया। लोगों के घरों तक पानी पहुंचने की नौबत आ गई।

हालात बिगड़ते देख सभापति विकास तम्बोली करीब पांच घंटे तक बारिश में भीगते हुए बड़ी नाली का मलबा निकालते रहे और पानी निकासी के लिए सफाई कराई।

समय पर नहीं हुई सफाई

सूत्रों के अनुसार हर वर्ष बारिश से पहले बड़े नालों की सफाई कराई जाती है, लेकिन इस बार अधिकांश वार्डों में यह काम समय पर नहीं हो सका। सफाई का ठेका दिए जाने के बावजूद भुगतान नहीं होने से कार्य बीच में ही बंद हो गया, जिसके कारण कई वार्डों में नालियां अधूरी साफ रह गईं। नतीजतन पहली ही बारिश में जलभराव हो गया। सभापति विकास तम्बोली ने भी माना कि समय रहते नालियों की सफाई नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी।

सवालों के घेरे में नगर पालिका

इस घटना ने नगर पालिका की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब नगर पालिका के पास सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी और संसाधन मौजूद हैं, तब जनप्रतिनिधि को खुद नाली में उतरकर सफाई क्यों करनी पड़ी? पहली बारिश में ही जलभराव और सभापति द्वारा सफाई करने की नौबत ने पालिका की तैयारियों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

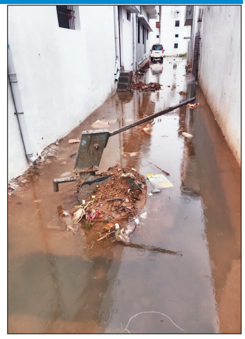

खास खबर

छत्तीसगढ़ के जयदीप साहू ने रचा इतिहास, दक्षिण अफ्रीका में इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

66 किग्रा वर्ग में 452.5 किग्रा वजन उठाकर लहराया तिरंगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र और होनहार पावरलिफ्टर जयदीप साहू ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में आयोजित एशियन, पैसिफिक एवं अफ्रीका अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 66 किलोग्राम सीनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता में जयदीप ने अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 452.5 किलोग्राम का कुल वजन उठाया। उनके प्रदर्शन में - स्क्वाटः 180 किलोग्राम - बेंच प्रेसः 102.5 किलोग्राम - डेडलिफ्टः 170 किलोग्राम - कुलः 452.5 किलोग्राम में रहा है। दक्षिण अफ्रीका की धरती पर तिरंगा लहराते हुए जयदीप ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत को गौरवान्वित किया।

टीम के अन्य खिलाड़ियों से भी पदक की उम्मीद : टीम के कोच कृष्णा साहू ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि आगामी मुकाबलों में 93 किलोग्राम वर्ग में प्रियंक मिश्रा और 120 किलोग्राम वर्ग में अमान शुक्ला से भी पदक की पूरी उम्मीद है। 4 से 12 जुलाई तक चल रही इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में फिलहाल इक्विप्ड वर्ग की स्पर्धाएं हो रही हैं। 8 जुलाई से क्लासिक यानी अन-इक्विप्ड प्रतियोगिता शुरू होगी। इसमें जयदीप साहू, प्रियंक मिश्रा और अमान शुक्ला तीनों खिलाड़ी फिर अपनी चुनौती पेश करेंगे। खिलाड़ियों के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उनसे एक बार फिर पदक जीतने की प्रबल संभावना जताई जा रही है।

संगठन और मंत्री ने दी बधाई : छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग संगठन के अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा ने इस ऐतिहासिक सफलता पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री राकेश पांडे कैबिनेट मंत्री दर्जा के विशेष सहयोग और मार्गदर्शन से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है। उनके प्रोत्साहन की वजह से ही जयदीप अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का आत्मविश्वास जुटा सके।

अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा और कोच कृष्णा साहू ने दूरभाष पर श्री राकेश पांडे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंत्री जी का आत्मीय सहयोग और हर कदम पर साथ खड़े रहने का भाव खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा। छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग संगठन और प्रदेशभर के पावरलिफ्टर अब तीनों खिलाड़ियों के क्लासिक वर्ग में प्रदर्शन का इंतजार कर रहे हैं। संगठन ने कहा कि यदि तीनों खिलाड़ी पदक जीतकर लौटते हैं तो उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ जिला भिलाई की नई कार्यकारिणी घोषित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सूर्यकान्त पाण्डेय, अम्बिका द्विवेदी सहित कई पदाधिकारियों को मिली अहम जिम्मेदारी

भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ, जिला भिलाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशन, प्रदेश संयोजक कांतिलाल जैन के मार्गदर्शन तथा जिला संगठन प्रभारी श्रीरामजी भारती और जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की सहमति से जिला संयोजक विनोद उपाध्याय द्वारा की गई।

प्रमुख नियुक्तियां : नई टीम में सूर्यकान्त पाण्डेय, अम्बिका द्विवेदी, नीता चौरसिया, अरुण नायर और डॉ. अनु राणा को सह संयोजक बनाया गया है। डाकेश्वर परगनिहा और रजनीकांत अग्रवाल कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मीडिया प्रकोष्ठ में गुरुनाम सिंह को जिला मीडिया प्रभारी, कृष्ण कुमार सिंह को जिला आईटी सेल प्रभारी और मृत्युंजय द्विवेदी को जिला सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। राकेश ओझा को सह सोशल मीडिया प्रभारी, रिकी अग्रवाल को सह मीडिया प्रभारी और बिमलेश्वर पाण्डे को आईटी सेल सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन को मजबूत करने के लिए गोविन्द वर्मा को कार्यालय प्रभारी और महेश वर्मा को कार्यालय सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कार्यसमिति और मंडल संयोजक : जिला कार्यसमिति सदस्य एवं मंडल संयोजक में सुरेश सर, गोकुलेश तिवारी, विवेक यादव, अजय श्रीवास्तव, लोकप्रकाश चौधरी, रश्मि अमितेश, रजनीश सिंह, वैभव लाकुण्डे, राजेश चौबे, अफजल अहमद, अमित सिंह, सोनाली माधवन, रामजी, डॉ. जितेन्द्र तिवारी, गानेन्द्र सिंह, सीमा कन्नौजे, उवर्शी वर्मा, राघवेन्द्र साहू, शीतल दुबे, शुभम त्रिपाठी, देवदत्त शर्मा, बीपी सिंह, तारकेश्वर, राज गुप्ता, सत्येन्द्र गुप्ता, अनिल विश्वकर्मा, प्रकाश नायक, विष्णु राजपूत, गंगाराम साहू, नरेन्द्र निषाद, छत्रपाल साहू, सरिता चौबे और राकेश वर्मा को शामिल किया गया है।

जिला संयोजक विनोद उपाध्याय ने कहा कि नई टीम शिक्षा के क्षेत्र में संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाने और जनजागरूकता फैलाने का कार्य करेगी। जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा जताई।

केसीजी पुलिस की कार्रवाई, साइबर फ्रॉड व ऑनलाइन सट्टा रैकेट का हुआ भंडाफोड़

म्यूल खातों से 1.69 करोड़ का लेनदेन, 10.50 लाख रुपये जब्त, 4 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की पुलिस ने साइबर अपराध और ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। भारत सरकार के समन्वय पोर्टल और एनसीआरबी से मिली सूचना के आधार पर थाना छुईखदान पुलिस ने म्यूल बैंक खातों का उपयोग कर करोड़ों रुपये का अवैध लेनदेन करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

कैसे हुआ खुलासा

जांच में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, शाखा छुईखदान के खाताधारक दीपक निर्मलकर के खाते में देश के विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और साइबर फ्रॉड से संबंधित लगभग 1 करोड़ 69 लाख 32 हजार रुपये का लेनदेन पाया गया। पूछताछ में दीपक ने बताया कि उसने अपना बैंक खाता 12 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर राहुल जंघेल को दिया था।

राहुल जंघेल ने बताया कि खाते का उपयोग महाराष्ट्र के मुंबई स्थित पलावा सिटी के किराये के फ्लैट से चलाए जा रहे ऑनलाइन गेमिंग और साइबर फ्रॉड नेटवर्क में किया जाता था। लोगों से धोखाधड़ी कर प्राप्त राशि इन्हीं खातों में जमा कराई जाती थी। पूछताछ में सामने आया कि पूरे नेटवर्क का संचालन राहुल देवांगन करता था, जो जुड़े लोगों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देता था। लगभग 4 माह पहले आर्थिक नुकसान के कारण नेटवर्क मुंबई से बंद कर दिया गया था। वतर्मान में आरोपी विजय कुमार साहू अकेले ग्राम गगरिया खम्हरिया से नेटवर्क चला रहा था।

आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पिछले 2 वर्षों से फेयर प्ले, रेड्डी अन्ना, जयराम और शिवा बुक जैसे ऐप के जरिए कई राज्यों में ऑनलाइन सट्टेबाजी चला रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी और जप्त सामग्री

दीपक निर्मलकर, 20 वर्ष, निवासी नवागांव लोधी, थाना छुईखदान, राहुल जंघेल, 23 वर्ष, निवासी मैनहर, थाना छुईखदान , राहुल देवांगन, 25 वर्ष, निवासी कुनरा, बजरंग चौक, धरसींवा, रायपुर, विजय कुमार साहू, 22 वर्ष, निवासी गगरिया खम्हरिया, थाना सहसपुर लोहारा, कबीरधाम शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से 19 एटीएम कार्ड, 5 बैंक पासबुक, 14 मोबाइल फोन और 1 लैपटॉप जब्त किया है। कुल अनुमानित कीमत 5.50 लाख रुपये है। साथ ही खातों में शेष बचे 10 लाख 50 हजार रुपये भी जब्त कर 5 लाख रुपये की राशि फ्रिज कराई गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 254/2026, धारा 317(2), 317(4), 318(4), 61(2) बीएनएस एवं 66(डी) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

विप्र फाउंडेशन में सेवा दिवस के रूप में मनाया गया सुशील ओझा का जन्मदिन

मरीजों को फल वितरण कर मनाया गया जश्न

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

विप्र समाज की अंतर्राष्ट्रीय संस्था विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा का जन्मदिन शनिवार को रायगढ़ में सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन और महिला विप्र फाउंडेशन प्रकोष्ठ द्वारा रूपेन्द्र पटेल हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज में मरीजों को फल वितरण किया गया।

जिलाध्यक्ष विजय शर्मा मार्बल ने बताया कि कार्यक्रम राष्ट्रीय कायर्कारिणी सदस्य रामचन्द्र शर्मा के नेतृत्व में और महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा श्रीमती बीना शर्मा के सहयोग से आयोजित किया गया। सेवा भाव के साथ मनाए गए इस जन्मदिन पर उपस्थित पदाधिकारियों ने सुशील ओझा के समाज सेवा के कार्यों को याद करते हुए उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रामचन्द्र शर्मा, जिलाध्यक्ष विजय शर्मा मार्बल, ईश्वर शर्मा, श्री भगवान शर्मा, नवीन शर्मा, संतराम शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, यशपाल शर्मा, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष बीना शर्मा, श्वेता शर्मा, मीना मनोज शर्मा, विनीता शर्मा, खुशबू शर्मा, तोषी शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

नकटी में 85 परिवारों के मकान तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस ने किया सीएम का पुतला दहन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

रायपुर के माना स्थित ग्राम नकटी में प्रस्तावित एमएलए कॉलोनी के लिए 85 से अधिक गरीब परिवारों के मकान तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस ने शनिवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन के तहत खैरागढ़ में जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी ने टेम्पो स्टैंड पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का पुतला फूंका। पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमा-झटकी भी हुई। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था रही।

"बारिश में बेघर किए गए गरीब" - कांग्रेस

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नकटी गांव में बारिश के बीच करीब 85 गरीब परिवारों को घर से बेघर कर दिया गया। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकान भी शामिल थे, जिन्हें अवैध बताकर बिना पूर्व सूचना के ध्वस्त कर दिया गया। कांग्रेस ने इसे अमानवीय कार्रवाई बताते हुए प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल न्याय, पुनर्वास और मुआवजे की मांग की।

नेताओं ने क्या कहा

जिला कांग्रेस अध्यक्ष कोमल साहू ने कहा कि राज्य सरकार ने संवेदनहीनता दिखाते हुए गरीबों को बारिश में बेघर कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रभावित परिवारों को शीघ्र न्याय और मुआवजा नहीं मिला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज ने कहा कि नकटी में गरीबों के मकान तोड़ना जनविरोधी कदम है। भाजपा सरकार विकास के नाम पर गरीबों का आशियाना छीन रही है। कांग्रेस प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार युवाओं, किसानों और महिलाओं के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता इस कारर्वाई का जवाब आने वाले चुनाव में देगी।

प्रदर्शन में कोमल दास साहू, अरुण भारद्वाज, मनराखन देवांगन, शशिकांत पाण्डेय, रामकुमार पटेल, संदीप सिरमौर, संजू सिंह चंदेल, जितेन्द्र सिंह गौर, दीपक देवांगन, रविंद्र सिंह, पुरन सारथी, भिखाम सिन्हा, मनसा राम सिमकर, यतेन्द्र जीत सिंह, नदीम मेमन, सरजू वर्मा, अनुराग तुर्रे, मनोहर सेन, कन्हैया रजक, विनोद सिन्हा, हरिदर्शन दिमार, कोमल वर्मा, महेश यादव, अरशद हुसैन, अल्ताफ अली, सूरज महिलकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

"शहर विकास में ऐल्डरमेनों के सुझावों पर मिलकर करेंगे अमल"-मधुसूदन यादव

महापौर की उपस्थिति में नव नियुक्त नामांकित पाषर्दो का निगम में हुआ स्वागत , निगम परिवार में 60 पदाधिकारी हुए, विकास कार्यो में आएगी गति

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर निगम राजनांदगांव के लिए मनोनित 8 नामांकित पाषर्दो का सोमवार को निगम सभागृह में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मधुसूदन यादव ने की। महापौर श्री यादव ने नव नियुक्त पाषर्दो का निगम परिवार की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि नगरीय निकाय का मूल काम जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि शासन ने सभी नामांकित पाषर्दो को बड़ी जिम्मेदारी दी है। शहर विकास में आप सभी के सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त होंगे, जिस पर हम सब मिलजुलकर अमल करेंगे।

इनका हुआ स्वागत : नामांकित पार्षद नागेश यदु, श्रीमती करूणा राजपूत, हर्ष रामटेके, सूयर्कांत श्रीवास, श्रीमती मंजू यादव, भीषम देवांगन, श्रीमती कृति बोरकर और देवाशिष झा का महापौर श्री यादव, आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा एवं नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

अध्यक्ष श्री वर्मा ने कहा कि नई ऊर्जा के साथ शहर विकास के लिए काम करना है, जिससे निगम की छवि और मजबूत हो। नेता प्रतिपक्ष श्री पिल्ले ने कहा कि नामांकित पाषर्दो के जुड़ने से निगम परिवार में वृद्धि हुई है। हम सबको एकजुट होकर शहर विकास के लिए काम करना है। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि अब महापौर सहित निगम में 60 पदाधिकारी हो गए हैं। इससे विकास कार्यो में गति आएगी। उन्होंने सभी से शहर विकास में सहयोग की अपेक्षा की।

तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि : कार्यक्रम के अंत में पद्म विभूषण से सम्मानित पंडवानी गायिका स्व. तीजन बाई को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थितजनों ने छत्तीसगढ़ की पहचान को देश-विदेश में पहुंचाने में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम का संचालन लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा ने किया। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, वरिष्ठ सभापति श्रीमती खेमिन बाई यादव, कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल सहित महापौर परिषद के सदस्यगण, पार्षदगण और निगम के अधिकारी-कमर्चारी उपस्थित थे।

जिलाध्यक्ष भिलाई
श्री पुरुषोत्तम देवांगन जी
को
जन्मदिन
की
बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें
शैलेन्द्र सिंह
कोषाध्यक्ष
विनोद सिंह
मंत्री
राजेश श्रीवास्तव
संयोजक - व्यापार प्रकोष्ठ
कन्हैया सोनी
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
हेमंत देवांगन
सह-कोषाध्यक्ष
प्रेमचंद देवांगन
संयोजक - विधि प्रकोष्ठ
सुनील मौर्या
मंडल सह-प्रभारी
राजू खान
जिला कार्यसमिति सदस्य
योगेन्द्र सिंह
कार्यालय प्रभारी
रश्मि सिंह
मंत्री
भारती साहू
मंत्री
पारस जंघेल
मंत्री
भारतीय जनता पार्टी जिला- भिलाई

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही विकसित भारत का लक्ष्य : नम्रता सिंह

ग्रामीण परिवारों को मिलेगा अब 125 दिनों का रोजगार, मजदूरी दर 261 रूपए से बढ़कर हुई 300 रूपए

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

विकसित भारत- रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (वीबी जीरामजी) योजना का जिले में शुभारंभ समारोह जिला मुख्यालय मोहला के कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह उपस्थित रही। राष्ट्रीय स्तर पर योजना का शुभारंभ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति से किया।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) योजना लागू हो रही है। इस योजना का उद्देश्य है कि देश का कोई भी गरीब काम के अभाव में बेरोजगार न रहे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना से जहां ग्रामीण मजदूरों को 125 दिनों का रोजगार मिलेगा, वहीं गांवों में विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलेगी। चौहान ने कहा कि मजदूरों के पसीने का सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गरीबों की सेवा ही हमारे लिए भगवान की सेवा है।

मुख्य अतिथि नम्रता सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-जी राम जी योजना ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। योजना के तहत गांवों के विकास कार्य ग्राम सभाओं के प्रस्ताव के आधार पर पंचायतों के माध्यम से संचालित होंगे, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को अब समय पर मजदूरी का भुगतान होगा तथा जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

योजनांतर्गत अब ग्रामीण परिवारों को 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा तथा दैनिक मजदूरी दर 261 रूपए से बढ़ाकर 300 रूपए कर दी गई है। रोजगार नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। समय पर मजदूरी मिलेगी, विलंब होने की स्थिति में मुआवजा देने का भी प्रावधान किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता ने कार्यक्रम के माध्यम से कहा कि जिले के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ बढ़ चढ़ कर लेना चाहिए। उन्होंने नें कार्यक्रम में आई बिहान दीदियों एवं ग्रामीण महिलाओं कों विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प निरंतर पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रोजगार गारंटी योजना को विकसित भारत-जी राम जी योजना के रूप में और अधिक प्रभावी बनाया गया है। अब केवल अस्थायी कार्यों तक सीमित न रहकर जल संरक्षण एवं संवर्धन, कृषि आधारित अधोसंरचना, आपदा प्रबंधन एवं बचाव, सामुदायिक परिसंपत्तियों तथा अन्य स्थायी विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

जिला पंचायत सीईओ भारती चंद्राकर ने विकसित भारत-जी राम जी योजना के उद्देश्य, प्रावधानों एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विकसित भारत-जी राम जी योजना के अंतर्गत दस हितग्राहियों को फलदार पौधों रोपण हेतु प्रदान किए गए। वहीं दो हितग्राही को खाद भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य लखन कलामे, नरसिंग भंडारी जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

खास खबर

नए शैक्षणिक सत्र : जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में नवागंतुकों का तिलक लगाकर स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पीएमश्री सेजेस मानपुर में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव 2026-27 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) नीलू शर्मा रहे। उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें निःशुल्क गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि "शिक्षा ही विकास की पहली सीढ़ी है। हमारा लक्ष्य है कि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।" उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय भेजने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए विद्यालयों से जुड़ने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के अंतर्गत जन-जन में साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपस्थित जनसमुदाय को साक्षरता की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने सभी से स्वयं साक्षर बनने तथा अपने परिवार, पड़ोस और समाज के निरक्षर लोगों को भी साक्षर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में उत्कृष्ट योगदान के लिए मास्टर ट्रेनर एवं ब्लॉक नोडल मानपुर अंगद सलामे को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मोहला-मानपुर विधायक इन्द्रशाह मंडावी अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मंडावी, जिला पंचायत सदस्यगण, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, सहित वरिष्ठ समाजसेवी, जिला शिक्षा अधिकारी, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विकासखंड स्रोत समन्वयक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, जनप्रतिनिधि, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से नवप्रवेशी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए जिले में शत-प्रतिशत नामांकन, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का संदेश दिया गया।

पटेवा में राजस्व विभाग की कार्रवाई, बुलडोजर चलाकर शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज घुमका तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पटेवा में राजस्व विभाग की टीम ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। तहसीलदार घुमका मुकेश ठाकुर के नेतृत्व में राजस्व अमले ने ग्राम पंचायत पटेवा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 796/1 का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पीतांबर यादव, ठाकुर राम यादव एवं खेदूराम साहू द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया जाना पाया गया।

राजस्व टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया तथा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

किसानों को धान की जगह कम पानी वाली वैकल्पिक फसलों के लिए करें प्रोत्साहित : मंत्री गजेन्द्र यादव

किसानों को पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्कूल शिक्षा एवं जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आगामी मानसून की तैयारियों एवं कायर्योजना के संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए वर्षा ऋतु के दौरान आवश्यक सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होना चाहिए। इस दौरान महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव, कलेक्टर जितेन्द्र यादव उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने विकसित भारत-जीरामजी (ग्रामीण रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन) योजना के अंतर्गत मेट के रूप में कार्य कर रहे ग्राम पंचायत सुंदरा के दिव्यांग चंद्रप्रकाश साहू एवं ग्राम पंचायत कोहका की दिव्यांग सुश्री रंभा मंडावी को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने जिले में खरीफ फसल की स्थिति एवं कृषि विभाग की तैयारियों की समीक्षा करते हुए किसानों को धान की जगह कम पानी में होने वाली वैकल्पिक फसलों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार गिरते भू-जल स्तर और जल संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए किसानों को दलहन, तिलहन, सब्जी एवं अन्य कम पानी वाली लाभकारी फसलों की खेती के लिए प्रेरित करें तथा उन्हें पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खरीफ वर्ष 2026 से किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अब धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी एवं कपास जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती करने वाले किसानों को 15 हजार रूपए प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। कृषि विभाग किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर वैकल्पिक खेती के आर्थिक लाभों की जानकारी भी दे। प्रभारी मंत्री श्री यादव ने विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि बिना आवश्यक कारण बिजली आपूर्ति बाधित न की जाए। यदि किसी तकनीकी कारण से बिजली बंद करना आवश्यक हो तो संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना दी जाए तथा समय-सारणी निर्धारित कर किसानों को सिंचाई के लिए निर्बाध विद्युत उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाया जाए, जिससे वे सौर ऊर्जा अपनाकर अपने बिजली बिल को शून्य कर सकें।

प्रभारी मंत्री श्री यादव ने स्वास्थ्य विभाग को वर्षा ऋतु में संभावित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सपर्दंश एवं डॉग बाइट से संबंधित जीवनरक्षक दवाइयों एवं एंटी रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी चिकित्सालयों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम विभिन्न चुनौतियां लेकर आता है। ऐसे समय में सभी विभाग सतकर्ता एवं समन्वय के साथ कार्य करें ताकि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो और आम नागरिकों को समय पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध होती रहें। उन्होंने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि प्रभारी मंत्री द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का गंभीरता से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में मानसून के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सभी कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती किरण साहू, संतोष अग्रवाल, अपर कलेक्टर सीएल मारण्कडेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

निजी स्कूलों में भी लगाया जा रहा एचपीवी वैक्सीनेशन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में 4010 किशोरी बालिकाओं को लगाया गया एचपीवी वैक्सीन

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए जिले में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान पूरी गति से चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के निजी स्कूलों में 102 किशोरियों का एचपीवी टीकाकरण किया गया। जिले में अब तक 4010 किशोरी बालिकाओं को चिकित्सकों की निगरानी में एचपीवी टीकाकरण किया गया है। जिसमें टीकाकरण उपरांत कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं हुआ है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत लक्षित 14 वर्ष पूर्ण और 15 वर्ष तक की बालिकाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल एवं अन्य शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों पर निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन की एकल खुराक दी जा रही है। पारदर्शिता और बेहतर रिकॉर्ड के लिए इस पूरी प्रक्रिया को यू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। जहां लाभार्थी का डिजिटल सर्टिफिकेट भी डाउनलोड किया जा सकता है। चिकित्सकों और विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सही उम्र में ली गई एचपीवी सिंगल-डोज वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में 93 से 100 प्रतितक प्रभावी है। एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित और जांची-परखी है। टीका लगवाने के लिए माता-पिता या अभिभावक की सहमति अनिवार्य है। अभियान के तहत शिक्षा विभाग तथा निजी एवं शासकीय हाई स्कूलों में शिविर लगाकर वैक्सीनेशन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने सभी अभिभावकों, स्कूल एवं सामाजिक संगठनों से राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान देने तथा माता-पिता अपनी बेटियों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य के लिए नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित सत्रों में ले जाकर एचपीवी वैक्सीन का सुरक्षा कवच लगवाने की अपील की है। एचपीवी वैक्सीन के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क कर सकते है।

जन चौपाल : पीएम आवास योजना की समीक्षा, अधूरे निर्माणों को तेजी से पूरा करने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा के निर्देशानुसार जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरता में पंचायत भवन परिसर में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उन्हें शीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ करने एवं प्रगतिरत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

जन चौपाल में अधिकारियों ने हितग्राहियों को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने हितग्राहियों से शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ लेते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समयावधि में आवास पूर्ण करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) तथा सोख्ता गड्ढों के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति तथा भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों से जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने का भी आह्वान किया गया। जन चौपाल में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ ग्राम के निर्माण को लेकर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। ग्रामीणों से स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने और अपने गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। कार्यक्रम में जनपद पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष, जिला समन्वयक, सहायक अभियंता, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, आवास मित्र तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बेमेतरा जिला जेल के 500 मीटर दायरे को नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित, आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जेल परिसर के 500 मीटर के दायरे को आगामी आदेश तक नो ड्रोन फ्लाई जोन घोषित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, जेल मुख्यालय, अटल नगर रायपुर से प्राप्त निर्देशों के पालन में यह निर्णय लिया गया है। जिला जेल बेमेतरा एकांत क्षेत्र में स्थित होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा मुख्य दीवार के ऊपर से प्रतिबंधित सामग्री पहुंचाने की घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ऐसे में ड्रोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से जेल की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने और बंदियों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। आदेश के तहत जिला जेल बेमेतरा की सीमा से 500 मीटर के दायरे में किसी भी व्यक्ति, संस्था या संगठन द्वारा ड्रोन का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पुलिस अधीक्षक बेमेतरा को निर्देश दिए गए हैं कि इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित बनी रहे।

आम महोत्सव युवा शक्ति के उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता का प्रतीक है : भावना बोहरा

आम की विभिन्न किस्मों और स्वादों का लिया आनंद, भारी बरसात के बावजूद भी युवाओं में उत्साह देखने को मिला और सभी ने ग्रुप गेम्स में पूरी ऊर्जा के साथ सहभागिता करते हुए पुरस्कार भी जीते

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के मार्गदर्शन में 3 जुलाई को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा कनक भवन में आयोजित "आम महोत्सव-2026" संपन्न हुआ। महोत्सव में भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में युवा साथियों ने सहभागिता करते हुए संगठनात्मक एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रम में युवाओं के लिए विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं, समूह खेलों, संवाद सत्रों एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान सभी ने आम की विभिन्न किस्मों एवं स्वादों का आनंद लिया। भारी बरसात के बावजूद भी युवाओं में उत्साह देखने को मिला और सभी ने ग्रुप गेम्स में पूरी ऊर्जा के साथ सहभागिता करते हुए पुरस्कार भी जीते।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का सबसे बड़ा सामर्थ्य उसके समर्पित कार्यकर्ता और ऊर्जावान युवा हैं। संगठन तभी सशक्त बनता है, जब कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय संवाद, विश्वास और पारिवारिक वातावरण विकसित होता है। "आम महोत्सवझ्र2026" इसी भावना को सुदृढ़ करने का एक सार्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि युवा केवल राजनीतिक परिवर्तन के वाहक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने, संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने तथा सकारात्मक ऊर्जा के साथ समाज के बीच कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। भाजपा का संगठन परिवार की भावना से कार्य करता है। कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, संवाद और अपनत्व ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को समाज सेवा, राष्ट्रहित और संगठन की विचारधारा से निरंतर जोड़ा जाएगा।

भावना बोहरा ने आगे कहा कि फलों का राजा कहे जाने वाला आम भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह केवल एक फल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति में आम के पेड़ का अत्यंत महत्व है। आम की पत्तियों और लकड़ियों का भी हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। हमारे घरों में मांगलिक कार्य होने पर हम आम की पत्तियों से तोरण बनाते है एवं आम की सूखी लकड़ियों का उपयोग हवन एवं पूजा में करते है। हमारी संस्कृति हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, संरक्षण और संतुलित जीवन का संदेश देती है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी प्रेरित किया जाता है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज का युवा केवल अपने व्यक्तिगत विकास तक सीमित न रहे, बल्कि समाज, राष्ट्र और अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए भी अपनी ऊर्जा समर्पित करे। सेवा, समर्पण, संगठन और संस्कार ये चारों मूल्य भारतीय जनता पार्टी की कायर्शैली की आधारशिला हैं और युवा पीढ़ी इन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। "आम महोत्सवझ्र2026" ने यह संदेश दिया कि संगठन की मजबूती आपसी संवाद, सहभागिता, आत्मीयता और साझा अनुभवों से निर्मित होती है। जब कार्यकर्ता एक साथ बैठते हैं, सीखते हैं, आनंद साझा करते हैं और भविष्य की दिशा पर विचार करते हैं, तब संगठन नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ता है। यह आयोजन केवल एक महोत्सव नहीं था, बल्कि युवा शक्ति के सम्मान, संगठनात्मक संस्कृति के विस्तार और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक पहल थी। भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक आयोजनों के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और संगठनात्मक दायित्वों के प्रति प्रेरित करने का यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा। मैं भाजपा युवा मोर्चा पंडरिया विधानसभा के समस्त पदाधिकारियों और उर्जावान कार्यकर्ताओं को इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए बधाई व शुभकामनाएं देती हूँ।

इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष पीयूष सिंह ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य रोशन दुबे, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अमित चंद्रवंशी, थानेश्वर जायसवाल, भाजपा अनुसूचित जाति जिला अध्यक्ष महेंद्र धृतलहरे, युवा मोर्चा के सभी मंडल के मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोशिश स्टार म्यूजिकल एंड सोशल ग्रुप का भव्य संगीत मिलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

सुर, सम्मान और सामाजिक सरोकार का अनुपम संगम

वर्षा के बीच भी उमड़ा संगीत प्रेमियों का जनसैलाब, तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रविवार को सिविल लाइन स्थित खेल एवं लोक कला भवन, कसारीडीह में कोशिश स्टार म्यूजिकल एंड सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित भव्य संगीत मिलन एवं सम्मान समारोह संगीत, संस्कृति और सामाजिक चेतना का अनुपम उदाहरण बन गया। रिमझिम वर्षा के बावजूद हॉल खचाखच भरा रहा और श्रोताओं ने अंत तक कार्यक्रम का आनंद लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार कुमारी संगीता मिश्रा थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑल इंडिया लीनेस क्लब की पास्ट मल्टीपल प्रेसिडेंट लीनेस मृदुला रोजिंदार, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अध्यक्ष लीनेस रश्मि अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी रत्ना नारमदेव, प्रीति अजय बेहरा, डॉ. विजय कुमार गुप्ता, हलीमा बेगम, शशि प्रभा गुप्ता और प्रसिद्ध शायर नावेद रजा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अध्यक्षता संस्था के संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा ने की।

संगीत के साथ सम्मान और सामाजिक संदेश

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अतिथियों और कलाकारों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

संस्था अध्यक्ष जाहिद अली ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कोशिश स्टार का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं है, बल्कि संगीत के माध्यम से सामाजिक चेतना, राष्ट्रप्रेम और समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मान देना है।

मुख्य अतिथि कुमारी संगीता मिश्रा ने कहा कि संगीत आत्माओं को जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सम्मान के साथ संगीत का यह समन्वय समाज को सकारात्मक दिशा देता है। उन्होंने संगीता मिश्रा के संघर्षपूर्ण जीवन का भी उल्लेख किया। नवभारत से शुरू कर पिछले 10 वर्षों से हरिभूमि में कार्यरत संगीता मिश्रा महिलाओं, युवाओं और जनहित के मुद्दों पर अपनी लेखनी के लिए जानी जाती हैं। उन्हें अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त हैं।

लीनेस रश्मि अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ते हैं। उन्होंने संस्था को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। लीनेस मृदुला रोजिंदार ने कहा कि संगीत प्रेम और सद्भाव का संचार करता है।

वरिष्ठ समाजसेवी रत्ना नारमदेव ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा पर बल दिया। वहीं प्रीति अजय बेहरा ने कहा कि आज की नारी अबला नहीं सबला है, उसे आत्मनिर्भर और शिक्षित बनना होगा।

अध्यक्षता कर रहे कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है तो संगीत उसकी आत्मा। तनाव भरी जिंदगी में संगीत शांति देता है। साहित्य, संगीत, शिक्षा, खेल और चिकित्सा समाज निर्माण के आधार हैं।

कार्यक्रम में महमूद अली, कमाल अख्तर निजामी, संजय लारोकर, राजेश जैन सर्राफ, संजय दुबे, ज्ञानू मैथि, अनुभव जैन, अनिल शुक्ला, यूसुफ शरीफ, विशाल गुप्ता, मतीन खान, संजय घाटे, आरिफ हुसैन, पियुषा मनहरे, सूर्यकला, गीता सिंह, तृप्ति साहू, वात्सला साहू, माधुरी लारोकर सहित बड़ी संख्या में कलाकार और समाजसेवी शामिल हुए।

अंत में कैलाश जैन बरमेचा और जाहिद अली ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रयास रहेगा कि संगीत, साहित्य और समाज सेवा की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़े और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें।

संगीत से सराबोर हुई संध्या

बारिश के बावजूद कलाकारों की प्रस्तुतियों ने माहौल संगीतमय कर दिया। एक प्यार का नगमा है, तुम अगर साथ देने का वादा करो, गाता रहे मेरा दिल, गली में आज चाँद निकला, ऐसी दीवानगी, क्या खूब लगती हो, हमको हमीं से चुरा लो, ये तेरा घर ये मेरा घर जैसे सदाबहार गीतों पर दशर्कों ने तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

तीजन बाई को श्रद्धांजलि

कार्यक्रम के अंत में पद्म विभूषण पंडवानी गायिका तीजन बाई के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थितजनों ने उनकी लोककला और सांस्कृतिक योगदान को नमन किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी जयंती पर मंत्री यादव ने श्रद्धासुमन अर्पित किये

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए और भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर शिक्षाविद् एवं राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उनका अटल संकल्प भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति उनकी अद्वितीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाला उनका दूरदर्शी चिंतन, त्याग और समर्पण आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का अक्षय स्रोत है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू सहित दुर्ग भाजपा परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100